हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नंद के घर आनंद भयो...

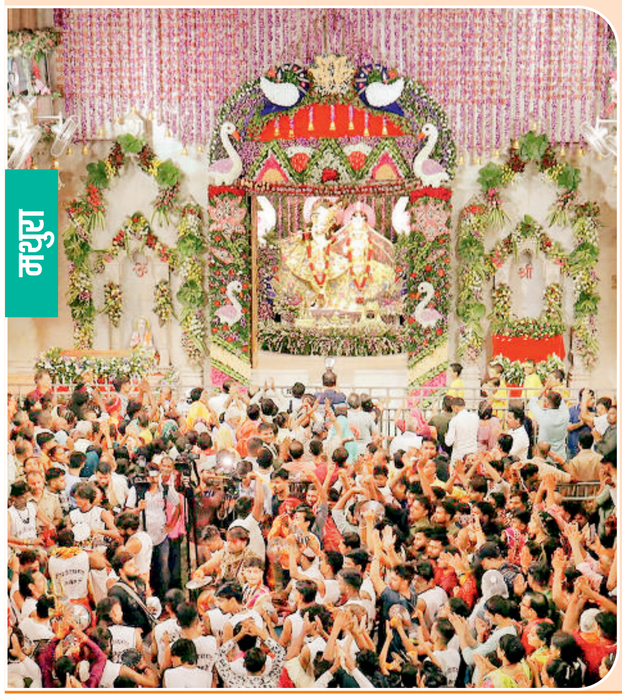

इस्कॉन मंदिर रायपुर

द्वारिकाधीश मंदिर

रायपुर/नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ समेत देशभर में शुक्रवार को जन्माष्टमी की धूम रही। भगवान कृष्ण के जन्मस्थल मथुरा, वृंदावन से लेकर जगन्नाथ पुरी और द्वारका तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। कृष्ण मंदिरों में आरती और भजनों की गूंज सुनाई देती रही। भारी संख्या में श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए देर रात तक मंदिर पहुंचते रहे।

पहला भारतीय इमेजिंग सैटेलाइट लॉन्च

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार देर रात 2:55 बजे ईओएस-05 इमेजिंग सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसे श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया। ईओएस-05 करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई पर जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में रहकर तस्वीरें लेगा। ऐसा करने वाला भारत का यह पहला सैटेलाइट है। इससे पहले भारत के सभी इमेजिंग सैटेलाइट निचली कक्षा में थे। ईओएस-05 भारत और आसपास के बड़े इलाकों की लगातार तस्वीरें भेज सकेगा।

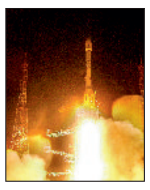

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र पर बड़ी राहत

छत्तीसगढ़ सहित 7 राज्यों में 62 साल तक सेवा का रास्ता साफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास खबर

जिला न्यायपालिका के न्यायिक अधिकारियों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। 7 राज्यों में उनकी सेवानिवृत्ति की उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने का रास्ता साफ हो गया है। छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल सरकार ने इस प्रस्ताव पर सहमति जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने इन राज्यों को अपने सेवा नियमों में बदलाव करने का निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक अधिकारियों को बड़ी राहत दी है। छत्तीसगढ़ सहित 7 राज्यों में अब 60 नहीं, 62 साल की उम्र तक सेवा का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, दो साल की यह अतिरिक्त सेवा अपने आप नहीं मिलेगी। हाईकोर्ट की योग्यता और प्रदर्शन की जांच के बाद ही अधिकारी 62 साल तक पद पर बने रह सकेंगे।

31 मार्च 2026 के बाद रिटायर अधिकारियों को भी सशर्त विकल्प

रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने की वजह

सुप्रीम कोर्ट ने सेवानिवृत्ति की उम्र बढ़ाने के पीछे जिला न्यायपालिका में खाली पड़े पदों को अहम कारण माना है। अदालत ने कहा कि न्यायिक सेवा के लिए विशेष प्रशिक्षण और अनुभव की जरूरत होती है। इसके बावजूद कई राज्यों में भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी स्वीकृत पद पूरी तरह नहीं भर पा रहे हैं।

2026 के बाद रिटायरमेंट पर यह है व्यवस्था

सुप्रीम कोर्ट के आदेश में 31 मार्च 2026 या उसके बाद 60 साल की उम्र में सेवानिवृत्त हुए न्यायिक अधिकारी भी शामिल हैं। उन्हें न्यायिक सेवा में वापस आने का विकल्प मिलेगा।

दूसरे सरकारी कर्मचारियों की मांग वाली दलील

राज्यों की ओर से यह चिंता भी जताई गई थी कि न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ाने से दूसरे सरकारी कर्मचारी भी इसी तरह की मांग कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि न्यायिक सेवा का संवैधानिक स्वरूप अलग है।

बाकी राज्यों को दो हफ्ते का समय

सुप्रीम कोर्ट ने बाकी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अपने रुख पर दोबारा विचार करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। उनसे अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी गई है। मामले की अगली सुनवाई 1 अक्टूबर को होगी। यह आदेश 1 सितंबर को अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ बनाम भारत संघ मामले में तीन सदस्यीय पीठ ने दिया। पीठ में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल थे। अदालत ने यह भी ध्यान दिलाया कि न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र आखिरी बार 1992 में बढ़ाई गई थी। लगातार रिक्तियों और अनुभवी अधिकारियों की जरूरत को देखते हुए अब इस मुद्दे पर दोबारा फैसला लिया गया है।

जनहित के मुद्दों पर चर्चा

हरिभूमि-आईएनएच का संवाद कार्यक्रम केसीजी जिले में आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खैरागढ़

प्रदेश की भाजपा सरकार के ढाई साल पूरे होने के अवसर पर हरिभूमि-आईएनएच जिला स्तर पर जिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इस आयोजन में कल 5 सितंबर को प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी द्वारा खैरागढ़-छुईखदान- गंडई जिले में किए गए विकास कार्यों एवं आने वाले समय में प्रगति की संभावनाओं के साथ ही जनहित के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में सांसद संतोष पांडेय सहित जिले के विधायक, पूर्व विधायक और भाजपा और कांग्रेस से जुड़े नेताओं के साथ साथ प्रबुद्धजनों की उपस्थिति रहेगी।

डॉ. हिमांशु द्विवेदी संतोष पांडेय

खैरागढ़ के राजकुमारी इंदिरा सिंह कला संगीत विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में दोपहर तीन बजे से आयोजित कार्यक्रम में जिसमें जनप्रतिनिधि, जिला एवं पुलिस प्रशासन, समाजसेवी, व्यापारी सहित सभी क्षेत्र से लोग शामिल होंगे। जिला संवाद कार्यक्रम में विधायक यशोदा वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रियंका ताम्रकार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, पूर्व विधायक कोमल जंघेल, पूर्व विधायक गिरवर जंघेल, जिला पंचायत सदस्य शताक्षी सिंह, खैरागढ़ जनपद पंचायत अध्यक्ष डा. राजेश्री त्रिपाठी, नगर पालिका खैरागढ़ की अध्यक्ष गिरजा चंद्राकर, गंडई नगर पंचायत लाल टारकेश्वर शाह खुसरो, छुईखदान नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष गिरिराज किशोर दास, भाजपा के जिला अध्यक्ष बिशेसर साहू, कांग्रेस के अध्यक्ष कोमल साहू, पूर्व जिलाध्यक्ष घम्मन साहू उपस्थित रहेगें। कार्यक्रम में खैरागढ़ राजकुमारी इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय ▶▶ शेष पेज 6 पर

AARTI GROUP 'ASHOKA' SINCE 1991
36 YEARS TRUST
PROPERTY FEST
अंतिम 2 दिन
ASHOKA PALM MEADOWS
APARTMENTS • PLOTS
आखिरी मौका
आज और कल।
सिर्फ
20%
दीजिए।
और आज ही चाबी लीजिए।
अगले 18 महीने, कोई PAYMENT नहीं।
The Golden Palm Club
THE GOLDEN PALM CLUB
NOW OPEN
पहली 100 बुकिंग्स पर लकी ड्रॉ
1st PRIZE EV कार ₹30 लाख
2nd PRIZE EV कार ₹20 लाख
3rd PRIZE EV कार ₹10 लाख
4TH, 5TH, 6TH PRIZE EV टू-व्हीलर
हर बुकिंग पर एक लकी ड्रॉ कूपन
नक़्शे में नहीं - हक़ीक़त में देखिए
READY डेवलप्ड प्लॉट्स
प्रीमियम रेसिडेंसियल प्लॉट्स
1,800 - 5,000 Sq.Ft.
म्युनिसिपल वाटर सप्लाई
24×7 सिक्योरिटी
आज ही निर्माण शुरू कीजिए।
अच्छी बसाहट, अच्छा प्लॉट, अच्छी कम्युनिटी
ATUL
#BlueBanyan
WELCOME TO
THE GREEN SIDE OF RAIPUR
Near Kamal Vihar, Dunda, Raipur
CALL 91 94 03 03 03
*नियम व शर्तें लागू।
PCGRERA280525001934
PCGRERA280818000726
GOOGLE LOCATION

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

दृष्टि नहीं दृष्टिकोण चाहिए...

संवाद, तकनीक और कुछ कर गुजरने का हौसला...यही है दृष्टबाधित शिक्षकों की ताकत, जो मानते हैं, ज्ञान का उजियारा फैलाने दृष्टि नहीं, दृष्टिकोण की ज्यादा अहमियत होती है। आंखें खोने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी उड़ान जारी रखी। इन शिक्षकों की आंखें रोशनी नहीं देख पातीं। इसके बावजूद वे सामान्य स्कूलों में बच्चों को पढ़ा रहे हैं। वे हर दिन साबित कर रहे हैं कि शिक्षक बनने के लिए नजर नहीं, नजरिया जरूरी है। शिक्षक दिवस पर मिलिए ऐसे दृष्टिहीन शिक्षकों से, जिनकी जिंदगी और जज्बा उनके विद्यार्थियों के लिए किसी पाठ से कम नहीं।

शिक्षक दिवस पर **विशेष**

> विद्यार्थी का जीवन संवारना कठिन है। दृष्टिहीन शिक्षकों के लिए यह राह और कठिन हो जाती है। कवर्धा जिले के पंडरिया ब्लॉक के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला सोढ़ा में अध्यापनरत हैं सहायक शिक्षक नंद कुमार चन्द्रवंशी। दृष्टिबाधित नंदकुमार 2007 से छात्रों को इंग्लिश विषय पढ़ाते हैं। इसके लिए वे सबसे पहले पाठ्यपुस्तक को ऑडियो फॉर्मेट में बदलते हैं। इसके बाद स्वयं इसका गहराई से अध्ययन करते हैं तत्पश्चात छात्रों को पढ़ाते हैं।

किताब को ऑडियो की शक्ल देने 50 से 100 कैसेट

रिकॉर्डिंग सुनकर पढ़ा रहे बच्चों को, उनके संग ही जाते हैं स्कूल

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

छात्रों को इंग्लिश सिखाने की उनकी शैली ने उन्हें इतना लोकप्रिय बना दिया है कि प्रतिदिन विद्यार्थियों के मध्य इस चीज को लेकर प्रतिस्पर्धा होती है कि उन्हें घर से स्कूल लाने और छोड़ने कौन जाएगा। वे प्रतिदिन छात्रों के साथ ही स्कूल जाते हैं। नंदकुमार बताते हैं कि लैपटॉप और स्मार्टफोन ने चीजों को अब आसान बना दिया है। दृष्टिहीनों के लिए कई तरह के सॉफ्टवेयर आ चुके हैं, जो आसानी से टेक्सट मटेरियल को ऑडियो में कन्वर्ट कर देते हैं, लेकिन पहले चीजें ऐसी नहीं थी। वे लोगों की मदद से पुस्तक को ऑडियो में बदलते थे। एक किताब को ऑडियो में बदलने के लिए 50 से 100 कैसेट तक लग जाते थे। इन्हें टेप रिकॉर्डर में सुनकर पढ़ाई पूरी की। इसी तरह से इंग्लिश सहित इतिहास में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। शुरुआती वर्षों में छात्रों को इसी विधि से पढ़ाते रहे। अब वे दृष्टिहीनों के लिए विशेष रुप से तैयार किए गए सॉफ्टवेयर की मदद लेते हैं।

लेखन का भी काम है

उन्होंने बताया एक अन्य छात्रा आरएचओ के रुप में सेवा दे रही है। इसे अपने जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि बताने वाले नंदकुमार खाली वक्त में वे लेखन का भी कार्य करते हैं। बेटी आधारित उनकी कविताओं की प्रेरणा उनकी स्वयं की पुत्री स्मृता है। 41 वर्षीय नंदकुमार को बीते 19 वर्षों से सेवा देने के पश्चात भी प्रमोशन नहीं मिलने का मलाल हैं। वे बताते हैं कि उनके सहित अन्य दृष्टिहीन शिक्षक इसके लिए प्रयासरत हैं।

मजदूर के बच्चों को दिलाई छात्रवृत्ति, अब वे हैं अधिकारी

उनके पिता अनुजराम एक किसान हैं। अधिक कमाई नहीं होने के कारण स्वयं की पढ़ाई मुश्किलों से की। दिल्ली यूनिवर्सिटी में जब चयन हुआ तो पढ़ने के लिए अकेले ही गए। अभावों से पुराना परिचय होने के कारण वे अपने छात्रों के लिए सदैव खड़े रहे। तत्कालीन मंत्री मोहम्मद अकबर से संपर्क कर स्कूल के मजदूर परिवार के बच्चों को 50-50 हजार रुपए की छात्रवृत्ति दिलवाई ताकि वे नर्सिंग की पढ़ाई कर सकें। अब वे विद्यार्थी एम्स में कार्यरत हैं।

पाठ को कविता में ढालकर बच्चों को सिखाया

अनूठा है तेजराम का सफर

ओम टुवानी ▶▶| गुरूर

पूर्णतः दृष्टि बाधित शिक्षक तेजराम साहू बीते 21 सालों से शिक्षा का अलख जगा बच्चों को राह दिखा रहे हैं। तेजराम के शौक ने बच्चों को कला के क्षेत्र में भी महारत प्रदान किया है।

दियाबाती निवासी तेजराम साहू (48 साल) 4 साल के थे जब उन्हें टाइफाइड हुआ। फिर वे चेचक की चेपेट में आ गए, लेकिन उनका इलाज सही नहीं हुआ। गलत इलाज के कारण उन्होंने दोनों आंखों की रोशनी गंवा दी। पूर्णतः दृष्टिबाधित होने के बाद भी जीवन में असंभव शब्द उनके शब्दकोष मे नहीं है। 7 भाई बहनों में दूसरे सबसे छोटे तेजराम ने जबलपुर स्थित रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में हिन्दी साहित्य में एमए करने के बाद 17 जून 2005 को बेमेतरा के अति पिछड़े ग्राम मुरमुरा के प्राथमिक शाला में शिक्षाकर्मी के रूप में प्रथम नियुक्ति प्राप्त की। तेजराम साहू कहते हैं- मेरा जीवन गांव में बीता है। जहां शिक्षा का स्तर बहुत नीचे था, इसलिए प्रारंभ से ही शिक्षक बनकर गांवों में शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने का निर्णय लिया था, इसलिए शिक्षा के क्षेत्र को चयन किया।

हारमोनियम वादक भी

तेजराम साहू तबला वादन एवं हारमोनियम वादक भी हैं। बच्चों को प्रत्येक शनिवार को संस्कार, स्वास्थ्य, संस्कृति, देशभक्ति जैसे विषयों से जुड़ी जानकारियों को नाटिका के रूप में बच्चों को सिखाते हैं, जिससे वह विषय बच्चों के अंदर व्यवहार में आ जाए। तेजराम मंचों में क्लासिकल गायन, वादन भी करते हैं। उनके श्रेष्ठ कार्यों को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने उन्हें राज्य स्तरीय श्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी के रूप में सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान किया है।

ईशा घर के सदस्यों से सुनकर पाठ याद करती थीं फिर बच्चों में बांटती थी ज्ञान, अब पढ़ाना थोड़ा आसान

छात्रों को ही बना ली अपनी आंखें

सुरेश कुमार कुर्रे ▶▶| मंदिर हसौद

शिक्षिका ईशा सोनकर राजधानी के पास नगर पालिका परिषद मंदिर हसौद में शासकीय प्राथमिक शाला इंदिरा कॉलोनी नगर पालिका में पदस्थ हैं। ग्रेजुएशन करते समय उनकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई, लेकिन उन्होंने इसे अपनी कमजोरी नहीं समझी और लगन के साथ मेहनत संघर्ष कर 2010 में शिक्षा कर्मी भर्ती परीक्षा क्लियर कर शिक्षिका बनी। आज प्राथमिक शाला मंदिर हसौद में बच्चों को पढ़ाकर बेहद खुश हैं। वे कहती हैं कि अब बच्चे ही उनकी आंखें हैं।

ईशा सोनकर बताती हैं कि 16 साल पहले शिक्षिका के रूप में पदस्थ हुईं। उस समय नेत्रहीन होने के कारण बच्चों को पढ़ पाना चैलेंजिंग था। वे घर के सदस्यों से सुनकर पाठ को याद कर लेती थीं फिर क्लास में पढ़ाती थीं। अब चैप्टर को मोबाइल से प्रिपरेशन कर कक्षा में पढ़ाती हैं। ईशा सोनकर ने पढ़ाई के सफर को लेकर चर्चा करने पर बताया कि ग्रेजुएशन के पहले तक नॉर्मल थी, ग्रेजुएशन के दौरान उसके आंखों की रोशनी चली गई जहां ग्रेजुएशन की परीक्षा अपने हाथों से लिखकर दी, ईशा सोनकर ने बताया कि वे पी एस सी क्लियर का प्रशासनिक सेवा के माध्यम से देश की सेवा करना चाहती थी, लेकिन पीएससी क्लियर ना होने पर उन्होंने शिक्षा विभाग चुन लिया। अब शिक्षिका के रूप में अपना सुखद अनुभव साझा किया।

बच्चे करते हैं मदद

वे बच्चों को अपनी आंखें बताती हैं जो हर वक्त उन्हें कवर करते रहते हैं। चार साल पहले रायपुर की बेटी ईशा की शादी मुंगेली में हुई। अब वह मंदिरहसौद में ही रहती हैं।

28 साल से बच्चों के बीच ज्ञान का दीप जला रहे ईश्वर

कक्षा तक छड़ी पहुंचा रही, बच्चों का भविष्य संवार रहा मौखिक संवाद

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

जयरामनगर हायर सेकेंडरी आत्मानंद स्कूल में पदस्थ दृष्टिबाधित व्याख्याता ईश्वर साहू पिछले 28 साल से बच्चों के बीच ज्ञान का प्रकाश फैला रहे हैं। बचपन में ही आंखों की रोशनी चली गई, लेकिन उन्होंने पढ़ाई का दामन नहीं छोड़ा और शिक्षक बनने का संकल्प लिया। आज वे हजारों बच्चों को पढ़ा चुके हैं। शारीरिक चुनौती भी उनके संकल्प के रास्ते में बाधा नहीं बनी। वे रोजाना करीब 2 किमी पैदल चलकर स्कूल पहुंचते हैं। हर सुबह छड़ी के सहारे कक्षा तक पहुंचने वाले ईश्वर बच्चों के हाथों में सिर्फ किताबें नहीं, बल्कि सपने भी थमा रहे हैं।जयरामनगर के लावर ग्रामीण क्षेत्र में जन्मे ईश्वर दोनों आंखों से दृष्टिबाधित हैं। उनका कहना है कि सच्ची दृष्टि आंखों में नहीं, बल्कि मन और लक्ष्य में होती है। दृष्टिबाधित होने के बावजूद वे बच्चों को पढ़ाने के लिए मौखिक संवाद और उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हैं।

चेचक से चली गई आंखों की रोशनी

ईश्वर बताते हैं कि परिवार और गांव के लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, जब वे करीब 3-4 साल के थे, तब उन्हें चेचक हुआ था। इसके बाद उनकी आंखों की रोशनी चली गई। मजदूर माता-पिता ने इलाज कराने की काफी कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। दृष्टिबाधित होने के बाद कुछ समय तक वे गांव में ही घूमते रहे। बाद में पढ़ाई करने और शिक्षक बनने का संकल्प लिया।

राइटर के सहारे दी बोर्ड परीक्षाएं

स्कूल की आंतरिक परीक्षाएं वे ब्रेल लिपि में लिखकर पास कर लेते थे, लेकिन आठवीं, दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में राइटर की मदद लेनी पड़ती थी। वे ब्रेल लिपि की किताबों से तैयारी करते और परीक्षा के दौरान उत्तर बोलते जाते थे, जिसे राइटर लिखता था।

मजदूर माता-पिता ने नहीं आने दी कमी

ईश्वर बताते हैं कि उनके पिता मजदूरी करते थे और परिवार के लिए आर्थिक कठिनाइयां थीं, लेकिन माता-पिता ने उनकी शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। उनके मन में शिक्षक बनने की इच्छा थी, क्योंकि उनका मानना था कि शिक्षक समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने ब्रेल लिपि के साथ सामान्य पुस्तकों का अध्ययन भी किया।

आदिवासी क्षेत्र में भी निभाई जिम्मेदारी

ईश्वर ने पहली से पांचवीं तक की पढ़ाई बिलासपुर के जूनी लाइन स्थित प्राथमिक स्कूल से की। छठवीं से आठवीं तक रायपुर की अंध-मूक-बधिर शाला में पढ़ाई की। इसके बाद नौवीं से बीए तक की शिक्षा के लिए जबलपुर चले गए। 1998 में उनकी पहली पोस्टिंग गोरेला ब्लॉक के आदिवासी क्षेत्र बस्ती बगरा के स्कूल में हुई। चार साल तक उन्होंने वहीं कमरा लेकर नियमित अध्यापन किया। वर्ष 2004 में उनका स्थानांतरण जयरामनगर स्कूल में हुआ।

सॉफ्टवेयर की मदद से सुनते हैं पाठ्य सामग्री, स्मार्ट बोर्ड की मदद से पढ़ाई

देवीलाल साहू ▶▶| भिलाई

आंखों से दुनिया नहीं देख पाने की कमी को अपने हौसले और जज्बे से मात दी है शासकीय झुग्गीपारा पूर्व माध्यमिक शाला दुर्ग के शिक्षक गजेश घाटोले ने। जन्म से दृष्टिहीन गजेश की अपनी दुनिया भले ही अंधेरे में हो, लेकिन वे प्रतिदिन सैकड़ों विद्यार्थियों के जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैला रहे हैं।

46 वर्षीय गजेश घाटोले 2006 से शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वर्तमान में वे विद्यालय में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत हैं। प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बावजूद उनका शिक्षक वाला जज्बा आज भी बरकरार है। वे रोज छठवीं, सातवीं और आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को तीन पीरियड पढ़ाते हैं। विद्यार्थियों के बीच उनकी पहचान एक ऐसे शिक्षक की है, जो कठिन से कठिन विषय को भी सरल ढंग से समझाने का प्रयास करते हैं।

तीन विषयों में पीजी

शिक्षक गजेश बताते हैं कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा ब्रेल लिपि के माध्यम से हुई। स्कूल के दिनों में परिवार ने हर कदम पर उनका साथ दिया। दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में सहलेखक की मदद से उन्होंने सफलता प्राप्त की। उच्च शिक्षा के दौरान भी उन्होंने संघर्ष जारी रखा और हिन्दी, लोक प्रशासन तथा तबला विषय में स्नातकोत्तर उपाधि हासिल की। शिक्षा के प्रति उनकी लगन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने कभी अपनी दृष्टिबाधिता को आगे बढ़ने की राह में रुकावट नहीं बनने दिया। दसवीं कक्षा तक वे घर से बाहर बहुत कम निकलते थे, लेकिन बाद में दुर्ग, रायपुर और दिल्ली में दृष्टिबाधितों के लिए काम करने वाले संगठनों से जुड़े।

दृष्टिबाधिता के बावजूद बने डिजिटल प्रशिक्षक, विद्यार्थियों की संवार रहे जिंदगी

उमेश सिंह बशिस्ट ▶▶| धमतरी

शिक्षक दिवस पर हम आपका परिचय ऐसे दिव्यांग गुरु से करवा रहे हैं, जिन्होंने जन्मजात दृष्टिबाधिता को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी ताकत बनाई। खुद दृष्टिबाधिता की चुनौतियों से गुजरते हुए दिव्यांग बच्चों और युवाओं के लिए प्रेरणा बने हैं।

धमतरी जिले के हसदा गांव से अपनी शिक्षा की शुरुआत करने वाले अरविंद शर्मा ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद सीखने की ललक को कायम रखा। उन्होंने नवी मुंबई से सेल्फ इंडिपेंडेस कोर्स तथा मुंबई से एमएससीआईटी का प्रशिक्षण प्राप्त किया। आधुनिक तकनीक का ज्ञान हासिल करने के बाद उन्होंने इसे दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण का माध्यम बनाने का संकल्प लिया। वर्तमान में अरविंद शर्मा दिव्यांग आवासीय प्रशिक्षण केंद्र कचांदूर में दिव्यांग बच्चों को शिक्षा, कंप्यूटर, डिजिटल साक्षरता और सहायक तकनीक का प्रशिक्षण दे रहे हैं। वे धमतरी से कचांदूर तक प्रतिदिन बस से आना-जाना करते हैं।

तकनीक को बनाया माध्यम

श्री शर्मा का मानना है कि डिजिटल युग में तकनीक दिव्यांगजनों के लिए केवल सुविधा नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, सूचना, संचार और आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण माध्यम है। समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका उल्लेखनीय योगदान है। उन्होंने 4 हजार से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया है। वे दृष्टिबाधित व्यक्तियों के मास्टर ट्रेनर और डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षक के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

दो बार मिला बेस्ट एम्प्लॉय पुरस्कार

दिव्यांगजनों के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए अरविंद शर्मा को 2016 और 2021 में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बेस्ट एम्प्लॉय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। 2026 में उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य दिव्यांग सलाहकार बोर्ड में सदस्य की जिम्मेदारी मिली।

चेचक ने छीनी आंखों की रोशनी, टूटा, पर बिखरा नहीं

शैलेन्द्र पाण्डेय ▶▶| जगदलपुर

उम्र महज 8-9 साल थी। चेचक की बीमारी ने दोनों आंखों की रोशनी छीन ली। अचानक दुनिया अंधेरे में डूब गई। पिता ने बेटे की आंखों की रोशनी लौटाने के लिए इलाज कराया, जगह-जगह दिखाया और ऑपरेशन तक कराया, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

रोशनी वापस नहीं आई। इसके बाद भी पिता ने बेटे को परिस्थितियों के आगे झुकने नहीं दिया। उनकी डांट और अनुशासन ही आगे चलकर इतवारी लाल नाग के लिए आत्मनिर्भर बनने की सबसे बड़ी प्रेरणा बनी,नारायणपुर जिले के ग्राम कुलेगा निवासी इतवारी लाल नाग आज दृष्टिबाधित होने के बावजूद अपनी जिंदगी पूरी आत्मनिर्भरता के साथ जी रहे हैं। वे शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में दैनिक वेतन पर शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उन्हें वर्तमान में 15 हजार प्रतिमाह मानदेय मिलता है। इतवारीलाल स्कूल में सभी विषय पढ़ाते हैं।

खुद करते हैं पूरा काम

वे मानते हैं कि यदि बचपन में पिता उन्हें हर काम में सहारा देते रहते तो शायद वे आज इतने आत्मनिर्भर नहीं बन पाते। आज वे अपना सब काम खुद करते हैं। बाजार जाकर सामान खरीद सकते हैं, खाना बना सकते हैं, बर्तन धो सकते हैं । स्कूल की छुट्टी होने के बाद वे अकेले ही स्कूल से अपने घर चले जाते हैं। चेचक के कारण आंखों की रोशनी चली गई, लेकिन लाल के हौसले की रोशनी कभी नहीं बुझी।

चिंतन

अब अंतरिक्ष से दुनिया पर भारत की नजर

अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती ताकत अब केवल उपग्रहों की संख्या या प्रक्षेपण की सफलता तक सीमित नहीं रह गई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की नई उपलब्धि इस बात का संकेत है कि भारत पृथ्वी को अंतरिक्ष से देखने, समझने और उसके आधार पर त्वरित निर्णय लेने की क्षमता को लगातार मजबूत कर रहा है। उन्नत पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-05 का सफल प्रक्षेपण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ईओएस-05 की सबसे बड़ी विशेषता इसका भू-तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित होना है। पृथ्वी से करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई पर ऐसी कक्षा में उपग्रह की तैनाती भारत को एक अलग तरह की निगरानी और अवलोकन क्षमता देगी। निचली पृथ्वी कक्षा में घूमने वाले उपग्रहों की अपनी उपयोगिता है, लेकिन भू-तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित उपग्रह लगातार एक बड़े भूभाग पर नजर रखने में अधिक सक्षम होते हैं। यही कारण है कि इस मिशन को कृषि, मौसम, आपदा प्रबंधन और राष्ट्रीय स्तर की अनेक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वास्तविक समय के करीब तस्वीरें उपलब्ध कराने की क्षमता इस उपग्रह को और उपयोगी बनाती है। आज जब मौसम में तेजी से बदलाव हो रहे हैं, बाढ़, भूस्खलन, चक्रवात और जंगलों की आग जैसी आपदाएं अचानक बड़े क्षेत्रों को प्रभावित कर रही हैं, तब जमीन से मिलने वाली सूचनाओं के साथ अंतरिक्ष से मिलने वाला दृश्य आंकड़ा प्रशासन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो सकता है। किसी बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में सड़क और पुल की स्थिति जानना हो, फसल के नुकसान का आकलन करना हो या किसी आपदा के बाद राहत कार्यों की प्राथमिकता तय करनी हो, उपग्रह से प्राप्त तस्वीरें निर्णय प्रक्रिया को तेज कर सकती हैं। कृषि के क्षेत्र में भी इसकी उपयोगिता दूरगामी हो सकती है। फसलों की स्थिति, भूमि के उपयोग में बदलाव, सिंचाई से जुड़े क्षेत्र और प्राकृतिक संसाधनों की निगरानी जैसी गतिविधियों में पृथ्वी अवलोकन उपग्रह पहले से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस मिशन का एक दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष भारत की प्रक्षेपण क्षमता है। जीएसएलवी के जरिए 2,367 किलोग्राम वजनी उपग्रह को निर्धारित कक्षा में स्थापित करना इस प्रक्षेपण यान की क्षमता में हुई प्रगति को दर्शाता है। कभी 1,536 किलोग्राम के पेलोड से शुरू हुआ यह सफर अब कहीं अधिक भारी उपग्रह को अंतरिक्ष तक पहुंचाने में सक्षम हुआ है। हालांकि इस उपलब्धि के साथ एक सावधानी भी जरूरी है। अंतरिक्ष से प्राप्त आंकड़ों की उपयोगिता तभी पूरी तरह सामने आएगी, जब उन्हें जमीन पर काम करने वाली व्यवस्थाओं से प्रभावी ढंग से जोड़ा जाए। उपग्रह तस्वीरें उपलब्ध करा सकता है, लेकिन उनका विश्लेषण, संबंधित विभागों तक समय पर पहुंच और उसके आधार पर त्वरित कार्रवाई उतनी ही महत्वपूर्ण है। तकनीक तभी जनहित का माध्यम बनती है जब उसका अंतिम लाभ आम नागरिक तक पहुंचे। इसरो ने ईओएस-05 को टोही उपग्रह बताए जाने की अटकलों को खारिज किया है। इसलिए इसके घोषित वैज्ञानिक और नागरिक उपयोगों को ही इसके मूल्यांकन का आधार बनाया जाना चाहिए। ईओएस-05 की नौ वर्ष की कार्य अवधि के दौरान इससे मिलने वाले आंकड़े मौसम से लेकर खेती और आपदा प्रबंधन तक अनेक क्षेत्रों में उपयोगी साबित हो सकते हैं। इस मिशन की असली सफलता तब मानी जाएगी, जब अंतरिक्ष में स्थापित यह 'आंख' जमीन पर करोड़ों भारतीयों के जीवन को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और बेहतर बनाने में मदद करे।

शिक्षक दिवस विशेष
डॉ. संजय शुक्ला

'एआई' के दौर में भी शिक्षक प्रासंगिक

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जन्मतिथि 5 सितंबर को पूरे देश में "शिक्षक दिवस" के रूप में मनाया जाता है। इक्कीसवीं सदी के सूचना क्रांति और आर्थिक उदारीकरण के आज के दौर में जब शिक्षा तकनीक आधारित हो चुकी है तब शिक्षकों की प्रासंगिकता पर लगातार बहस चल रही है। इंटरनेट आज आम आदमी के जीवन का अनिवार्य हिस्सा बन गया है, इसके जरिए दुनिया भर की सभी ज्ञान व सूचनाएं इलेक्ट्रानिक गैजेट में उपलब्ध हैं। इंटरनेट के बाद अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानि "एआई" ने शिक्षा के तौर तरीकों में भी भारी बदलाव लाया है। आज पारंपरिक क्लासरूम की जगह ऑनलाइन क्लास और स्मार्ट क्लासरूम का प्रचलन बढ़ने लगा है। एआई ने दुनिया में एक नई क्रांति ला दिया है जिससे शिक्षा का क्षेत्र अछूता नहीं है आलम यह है कि यह तकनीक अब शिक्षा के बुनियाद पर ही हमला कर रहा है जिससे अनेक विसंगतियां पैदा हो रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा में बौद्धिक विकास और नवाचार के लिए अनुसंधान की सतत प्रक्रिया को कूंद कर रहा है। बिलाशक इंटरनेट आधारित शिक्षा प्रणाली में शिक्षक की भूमिका सीमित होने लगी है लेकिन तकनीक आधारित इस शिक्षा मॉडल की दुश्वारियां भी सामने आने लगी है। 'एआई' छात्रों को व्यक्तिगत तौर पर जानकार तो बना सकता है लेकिन शिक्षक ही ऐसा माध्यम है जो छात्रों को मानवीय संवेदना, मूल्य, मार्गदर्शन और सीखने की दिशा प्रदान करता है। इस लिहाज से शिक्षक हर दौर में प्रासंगिक रहेंगे लेकिन उन्हें भी इस दौर के तकनीक को अपनाना होगा। लिहाजा भविष्य के दृष्टिगत हम कह सकते हैं कि 'एआई' और शिक्षक एक - दूसरे का विकल्प नहीं हो सकते बल्कि परस्पर सहयोगी जरूर होंगे।

विचारणीय है कि देश की शिक्षा व्यवस्था में शुरुआत से ही व्यापक असमानता रही है लेकिन इंटरनेट ने इस खाई को और भी चौड़ा कर दिया है। नवीन शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का दावा किया गया है लेकिन आज भी ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट की पहुंच कम है जिसके चलते शहरी और ग्रामीण छात्रों के शिक्षा में असमानता है। विचारणीय है कि सरकार एक तरफ परीक्षाओं में पेपर लीक के बढ़ते मामलों के दृष्टिगत नौकरी से लेकर दाखिला परीक्षाओं को कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट 'सीबीटी' मोड पर करने पर विचार कर रही है तो दूसरी ओर डिजिटल शिक्षा में बढ़ती असमानता कहीं अनेक छात्रों के पैरों की बेड़ियां न बन जाए? यह सवाल सरकार और समाज के लिए विचारणीय है। अनेक शिक्षाविदों और समाजशास्त्रियों का मानना है कि स्कूली शिक्षा के बढ़ती खाई को जल्द भरने की जरूरत है वरना देश के पास एक कम समझ वाली पीढ़ी होगी जो सामाजिक और आर्थिक असमानता को बढ़ावा देगा। बहरहाल इन विसंगतियों ने यह साबित कर दिया है कि इंटरनेट तकनीक के पहुंच के अभाव को बहुत हद तक शिक्षक ही दूर कर सकता है बशर्ते वह ऑनलाइन शिक्षण विधियों में पारंगत हो लिहाजा शिक्षकों को 'एआई' और डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग के बारे में प्रशिक्षित होना होगा।

अलबत्ता हालिया दौर मे जब ज्ञान से लेकर विज्ञान की सारी जानकारियां भले ही 'एआई' पास उपलब्ध है और इंटरनेट की प्रभावशाली भूमिका और अनिवार्यता से कोई इंकार नहीं कर सकता तब भी यह ज्ञान शिक्षक से प्राप्त ज्ञान की तुलना में अपेक्षाकृत अपूर्ण है। शिक्षा के मूल में सीखने का कौशल, विषयों को समझना और विश्लेषण करना, शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर सवाल-जवाब, परीक्षा व मूल्यांकन है जो वर्चुअल माध्यम में संभव नहीं है। शिक्षक ज्ञान और कौशल को विकसित करने के साथ ही छात्र के मानसिक और भावनात्मक विकास में मदद करता है वह जीवन के बुनियादी नैतिक मूल्यों के बारे में शिक्षित करता है। इंटरनेट से मिला ज्ञान छात्र को जानकार तो बना सकता है लेकिन यह ज्ञान उसके लिये एकांगी होता है, इस माध्यम में उपलब्ध जानकारियों से ज्ञान की जिज्ञासा को शांत नहीं किया जा सकता है बल्कि कई बार एक विषय पर अलग-अलग सूचनाएं परोसता है। आभासी माध्यम से प्राप्त शिक्षा में व्यवहारिकता व नैतिकता जैसे मानवीय गुणों का सर्वथा आभाव रहता है जो शिक्षा का मूल उद्देश्य है।विचारणीय है कि गूगल से मिले ज्ञान में भटकाव है जबकि शिक्षक से ग्रहण शिक्षा में संपूर्णता और जिज्ञासा शांति है। शिक्षक अपने ज्ञान और अनुभव से विद्यार्थियों में आदर, नैतिकता, समता, सामूहिकता और आत्मविश्वास जैसे गुणों का बीजारोपण करता है। शिक्षण के इस अंतर को अब छात्र भी भलि- भाँति महसूस करने लगे हैं।

प्राचीन भारत से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शिक्षा के

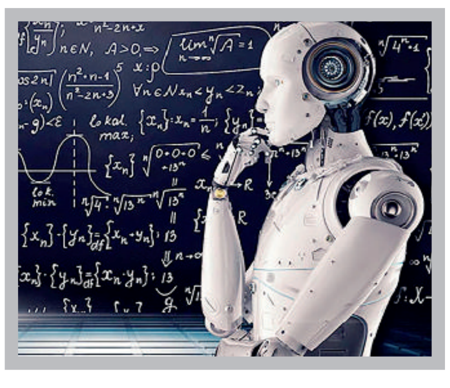

पौराणिक गुरूकुल काल के गुरु वशिष्ठ, द्रोणाचार्य, चाणक्य से चली आ रही भारतीय शिक्षा के गौरवमयी परंपरा को गुरु रविन्द्रनाथ टैगोर और डॉ. राधाकृष्णन जैसे विद्वानों ने समृद्ध किया है। शिक्षक की भूमिका सिर्फ अध्ययन -अध्यापन ही नहीं बल्कि समाज को राष्ट्रनिर्माण के लिए एक चरित्रवान और ज्ञानवान नागरिक देने की रही है। सामाजिक दायित्व के दृष्टिगत महात्मा गांधी शिक्षकों को /"एजेंट ऑफ सोशल चेंज/" मानते थे। डॉ.राधाकृष्णन का मानना था कि शिक्षा संस्कारित करने का माध्यम है न कि मशीनीकरण का अतः शिक्षक का कार्य छात्र को बतौर उत्पादक मशीन बनाना नहीं बल्कि एक मानव बनाना है। विडंबना है कि नब्बे के दशक से जारी बाजारवाद की आंधी ने शिक्षा जैसे निःस्वार्थ सेवा और दान के क्षेत्र का व्यवसायीकरण कर दिया है। शिक्षा के बाजारीकरण, शिक्षा की बदहाल व्यवस्था, धन लोलुपता और विदेशी शिक्षा के प्रति बढ़ते मोह के चलते अब भारत के शिक्षक और शिक्षा दोनों गांधी और राधाकृष्णन के राह से भटकने लगे हैं।आधुनिक शिक्षा व्यवस्था का एकमात्र उद्देश्य विद्यार्थी को पढ़ लिखकर एक अच्छी नौकरी दिलाना रह गया है। विचारणीय है कि इंटरनेट और एआई से देश को बेहतर प्रोफेशनल तो मिल जाएंगे लेकिन जिम्मेदार व चरित्रवान नागरिक मिलने की गारंटी शत प्रतिशत नहीं है। देश के शिक्षा व्यवस्था पर गौर करें तो विभिन्न सरकारों ने स्कूल से लेकर विश्वविद्यालयों में संविदा या दैनिक वेतन पर शिक्षकों की नियुक्ति किया है। एक ही छत के नीचे नियमित और संविदा शिक्षक सेवारत हैं उनकी भर्ती की योग्यता तो समान है लेकिन वेतन, भत्तों और पेंशन में काफी अंतर है। भविष्य की अनिश्चितता इन शिक्षकों के कार्यक्षमता और उत्पादकता को भी प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को सरकार के फरमान पर अध्यापन के इतर जनगणना, मतदाता सूची, राशन कार्ड निर्माण और गरीबी रेखा सर्वेक्षण काम के लिए घर-घर दस्तक देते अथवा मतदान केंद्रों में ड्यूटी करते हुए देखा जा सकता है।इन गतिविधियों के कारण जहाँ शिक्षा के गुणवत्ता में गिरावट आ रही है वहीं शिक्षकों की गरिमा भी घटने लगी है। बात यदि शिक्षकों को करें तो कतिपय शिक्षकों के कदाचरण के कारण समाज में उनकी छवि विकृत हो रही है जिस पर चिंतन आवश्यक है। आए दिन शिक्षकों द्वारा शराबखोरी, छात्राओं के साथ छेड़छाड़ और अनाचार, परीक्षा के पर्चे लीक करने से लेकर पास करने के लिए पैसों के लेनदेन की खबरें आम हो चुकी है। शिक्षकों के कलंकित आचरण की खबरों से शिक्षा जैसे मुकद्दस पेशे की मर्यादा पर आंच आई है। हालांकि कुछ शिक्षकों के कदाचरण के लिए समूचे शिक्षक बिरादरी को कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं होगा बल्कि आज भी बहुतेरे ऐसे शिक्षक हैं जो इस पवित्र पेशे की गरिमा को बचाए हुए हैं। बिलाशक आज के 'अर्थयुग'में शिक्षक की भी पारिवारिक जिम्मेदारी है लेकिन इस जिम्मेदारी के निर्वहन में उसे हमेशा नैतिक राह ही अख्तियार करना चाहिए ताकि इस पेशे की गरिमा और सम्मान सुरक्षित रहे। गला काट प्रतिस्पर्धा के वर्तमान दौर में शिक्षा का जिस तरह वैश्वीकरण और बाजारीकरण हो रहा है उससे छात्रों को अच्छे रिजल्ट देकर बेहतर प्रोफेशनल्स तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है फलस्वरूप शिक्षा में नैतिकता बड़ी तेजी से खत्म हो रही है। शिक्षा के मानवीकरण के पक्षधर रहे डॉ.राधाकृष्णन ने शिक्षकों के लिए बखूबी कहा है कि /" शिक्षक के लिए मानव का दानव बन जाना उसके लिए पराजय है,मानव का महामानव होना उसका चमत्कार है और मानव का मानव होना उसकी विजय है।/" हालिया दौर में जब युवा पीढ़ी नशाखोरी, अपराध और धार्मिक कट्टरता के अंधी खाई की ओर बढ़ रही है तब शिक्षक ही मानवीय मूल्यों, नैतिक विचारों, सर्वधर्म समभाव रखने वाले चरित्रवान पीढ़ी तैयार कर सकते हैं जो गूगल गुरु या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए संभव नहीं है लिहाजा यह सत्य है कि शिक्षक के बिना शिक्षा का उद्देश्य अधूरा है।

दिवस विशेष
अरविंद जयतिलक

राष्ट्र निर्माण के प्रतिनिधि हैं शिक्षक

आज गुरुओं के सम्मान का दिन है। 5 सितंबर को देशभर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1962 में जब डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारतीय गणतंत्र के दूसरे राष्ट्रपति बने, तब उनके विद्यार्थियों ने उनका जन्मोत्सव मनाने का विचार किया, लेकिन उन्होंने इस अनुरोध को अस्वीकार कर सुझाव दिया कि अगर वे उनके जन्मोत्सव को शिक्षक दिवस के रूप में मनाएं तो ज्यादा खुशी होगी। तभी से इस दिन को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन अक्सर कहा करते थे कि शिक्षक का कार्य केवल शिक्षण संस्थानों की परिधि तक ही सीमित नहीं है। समाज व राष्ट्र के गुणसूत्र को बदलने की जिम्मेदारी भी उसके कंधे पर होती है। इसलिए कि वह राष्ट्रीय जनमानस का प्रतिनिधि होता है। उसके आदर्शवादी मूल्य और सारगर्भित विचारधारा समाज व देश के लिए प्रेरणास्त्रोत होते हैं। राधाकृष्णन एक उत्कृष्ट विद्वान, महान शिक्षाशास्त्री के अलावा कुशल वक्ता भी थे। अंग्रेजी और संस्कृत पर उन्हें असामान्य अधिकार था। भारत में सत्ता हस्तांतरित होने के गौरवशाली अवसर पर जो गिने-चुने महापुरुषों ने अपने विचार व्यक्त किए उनमें डा. राधाकृष्णन भी थे। उनकी विद्वता और ज्ञान सिर्फ कोरी शास्त्रीय नहीं थी, बल्कि इसे अपने जीवन में उतारा भी। शिक्षा में महान योगदान को देखते हुए ही भारत सरकार ने उन्हें 1954 में भारत रत्न की उपाधि से विभुषित किया। डा. राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को मद्रास के निकट तिरुतानी में हुआ।

शिक्षा प्राप्ति के तदोपरांत डा. राधाकृष्णन सर्वप्रथम एक शिक्षक के रूप में मद्रास में लेक्चरर नियुक्त हुए। 1911 में वे मद्रास के प्रेसीडेंसी कालेज में

असिस्टेंट प्रोफेसर और 1916 में प्रोफेसर बने। 1918 में वह मैसूर विश्वविद्यालय में चले गए और वहां 1921 तक रहे। 1926 और 1929-30 में ऑक्सफोर्ड के मानचेस्टर कालेज और 1926 में शिकागो विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे। 1927 में भारतीय दर्शन परिषद के बंबई अधिवेशन के अध्यक्ष बने। सर आशुतोष मुखर्जी के निवेदन पर वे कलकत्ता विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर पद पर कार्य करना स्वीकार किया। वे वहां 1921 से 1931 तथा 1937 से 1941 तक अध्यापन कार्य किए। इसके बाद वे आंध्रप्रदेश विश्वविद्यालय में 1939 से 1948 तक उपकुलपति रहे। 1931 से 1941 तक राष्ट्रसंघ की बौद्धिक सहकारिता संबंधी अंतर्राष्ट्रीय समिति के सदस्य रहे। बंगाल की रायल एशियाटिक सोसायटी के फैलो और भारतीय विश्वविद्यालय कमीशन के अध्यक्ष के पद की भी उन्होंने शोभा बढ़ाई। 1916 महामना मदन मोहन मालवीय द्वारा बनारस में स्थापित काशी हिंदू विश्वविद्यालय में भी उन्होंने बतौर कुलपति अपनी भूमिका का गौरवपूर्ण निर्वहन किया। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जब गांधी जी ने करो या मरो का नारा दिया उस दौरान काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रों ने इसमें बढ़ चढ़कर हिंसा लिया। अपने ज्ञान-विज्ञान, दर्शन और चिंतन से भारतीय समाज और राष्ट्र के जीवन में नवीन प्राणों का संचार करने के कारण ही शिक्षक यानी गुरुओं की तुलना ब्रह्मा, विष्णु व महेश से की गई है। गुरु अर्थात ज्ञान का वो प्रकाशपूंज जो शिष्य के अंधकार रूपी अज्ञान समाप्त करके उसे और सार्थक मनुष्य बनाता है। संत कबीर कहते हैं कि 'हरि रुठे गुरु ठौर हैं, गुरु रुठे नहीं ठौर'। अर्थात भगवान के रुठने पर तो गुरु की शरण रक्षा कर सकती है, लेकिन गुरु के रुठने पर कहीं भी शरण नहीं मिलेगी। शास्त्रों में गुरु को तीर्थ से भी बड़ा कहा गया है। तीर्थ गए तो एक फल, संत मिले फल चार, सद्गुरु मिले तो अनंत फल, कहे कबीर विचार। गुरु शिष्य का मार्गदर्शन कर उसके जीवन को ऊर्जा से भर देता है। लीलारस के रसिकों का दाता श्रीकृष्ण भी सद्गुरु ही है। भगवान श्रीकृष्ण ने गुरु रूप में शिष्य अर्जुन को संदेश दिया था कि 'सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज, अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यिा माम शुचः। अर्थात सभी साधनों को छोड़कर केवल नारायण स्वरूप गुरु की शरणागत हो जाना चाहिए। वे उसके सभी पापों का नाश कर देंगे। भारतीय संस्कृति और सभ्यता में कहा गया है कि जिनके दर्शन मात्र से मन प्रसन्न होता है वह परमसत गुरु है। गुरु के बिना न आत्मदर्शन संभव है और न ही परमात्मा दर्शन। जप, तप, यज्ञ और ज्ञान में गुरु का मार्गदर्शन आवश्यक है। किसी भी प्रकार की विद्या हो अथवा ज्ञान वह गुरु से ही प्राप्त होता है। सद्गुरु की महिमा अनंत और अपरंपार है। आज के आधुनिक युग में भी गुरु की महत्ता में तनिक भी कमी नहीं आयी है। एक बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए आज भी गुरु का सानिध्य आवश्यक है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन की कड़वाहट मिटाने से संबंधों में समरसता आएगी

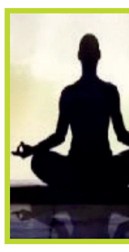

संकलित
दर्शन

हम अपने सोच व विचारों से अपना ऊर्जा क्षेत्र बनाते हैं। हमारे संकल्पों की गुणवत्ता ऊर्जा क्षेत्र की गुणवत्ता निर्धारित करती है। उस ऊर्जा क्षेत्र से हम अपने आपको अलग नहीं कर सकते। उसके सकारात्मक व नकारात्मक प्रकंपन को हम हमेशा साथ लेकर चलते हैं, चाहें घर में प्रवेश करते हुए अथवा घर से बाहर निकलते हुए। जब किसी के बारे में हम अच्छा सोचते हैं और उसके प्रति हमारे विचारों को शुद्ध, सुंदर व सकारात्मक रखते हैं, तो स्वाभाविक है कि हम उसे एक प्रकार से आशीर्वाद देते हैं। आशीर्वाद देने का यह मतलब नहीं कि हम केवल औपचारिक रूप में शुभकामनाएं देते हैं। अगर हमारे पास किसी के लिए उपहार लेने के लिए पैसे नहीं हैं, तो हमारी ओर से उनके लिए सबसे बड़ा उपहार यही होगा कि हम उनके घर-परिवार को आशीर्वाद दें। सामान्यतः दूसरों के लिए हम अपने सोच के साथ बोल को ध्यान में रखते हैं। भले ही हम उस व्यक्ति के लिए मन में नकारात्मक भावनाएं रखते हों, पर एक पल के लिए उसे बधाई भी देते हैं। इसका मतलब है, हम उसके लिए मन में अच्छा सोच भी पैदा कर सकते हैं। संबंधों का अर्थ ही है संकल्प रूपी ऊर्जा का आदान-प्रदान करना। मैं आपके बारे में जो सोचती हूं, वह आप तक पहुंचता है। आप मेरे बारे में जो सोचते हैं, वह मुझ तक पहुंचता है-यही हमारे संबंधों का आधार बनता है। यदि मैं आपके बारे में अच्छा सोच नहीं रखती और आपके लिए अच्छे काम करती हूं, तो मैं कितनी भी कोशिश क्यों न करूं, हमारे संबंध का नींव कभी मजबूत नहीं होगी।

शिव जी के अंशावतार हैं हनुमान जी

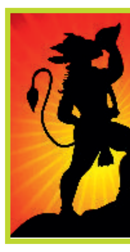

संकलित
प्रेरणा

शिव जी के 19 अवतारों में से एक अवतार है हनुमान। इसे शिव जी का अंशावतार माना जाता है। त्रेता युग में जब रावण का आतंक बढ़ गया, तब विष्णु जी राम अवतार लेने वाले थे। उस समय सभी देवताओं ने श्रीराम की सेवा और मदद करने के लिए अलग-अलग अवतार लिए थे। शिव जी ने श्रीराम के परमभक्त हनुमान जी के रूप में अवतार लिया था। जब श्रीराम अश्वमेध यज्ञ कर रहे थे। उनका यज्ञ घोड़ा घूमते-घूमते देवपुर नगर पहुंचा। उस नगर के राजा थे वीरमणि। वीरमणि शिव भक्त थे। राजा के पुत्र रुक्मांगद ने यज्ञ के घोड़े को बंदी बना लिया था। जब ये बात जब श्रीराम के भाई शत्रुघ्न को मालूम हुई तो उन्होंने देवपुर पर आक्रमण कर दिया। शत्रुघ्न और वीरमणि की सेना का युद्ध शुरू हुआ तो हनुमान जी भी वीरमणि की सेना खत्म करने लगे। राजा की हार होती देखकर शिव जी राजा की ओर से युद्ध करने लगे। युद्ध में जब शिव जी और हनुमान जी का सामना हुआ तो हनुमान जी ने उनसे पूछा कि आप तो राम भक्त हैं। फिर हमसे युद्ध क्यों कर रहे हैं। शिव जी ने कहा कि मैंने राजा वीरमणि को उसके राज्य की रक्षा करने का वचन दिया है इसलिए मुझे राजा की ओर से युद्ध करना पड़ रहा है, वह मेरा प्रिय भक्त है। शिव जी और हनुमान जी के बीच युद्ध हुआ, लेकिन जब शिव जी पराजित नहीं हुए तो उन्होंने श्रीराम का स्मरण किया। जब श्रीराम युद्ध में पहुंचे तो शिव जी राजा वीरमणि के साथ श्रीराम की शरण में चले गए। इस तरह ये युद्ध शांत हो गया।

अंतर्मन

आज की पाती

शिक्षक को अपनी भूमिका समझनी होगी

समाज में नैतिक मूल्यों का आए दिन क्षरण हो रहा है। पहले के मुकाबले आज परिस्थितियां बिल्कुल विपरीत हो चुकी हैं। वास्तव में मां-बाप अपने कर्तव्यों से विमुख होते जा रहे हैं और बच्चों की शिक्षा का दारोमदार शिक्षक के ऊपर छोड़ दिया है। फलस्वरूप बच्चों का भविष्य जहां गर्त में जा रहा है, वहीं शिक्षक भी इनके भविष्य के प्रति नाममात्र ध्यान देकर अपनी इतिश्री कर रहे हैं। जबकि शिक्षक को गुरु और भगवान के रूप में हमेशा देखा गया है। हर वर्ष पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के मौके पर शिक्षण संस्थानों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण किया जाएगा। विडंबना यह है कि शिक्षक को समाज आज वांछित इज्जत नहीं दे रहा है और न ही शिक्षक अपनी भूमिका को समझ पा रहा है। - ललित जैन, अंबिकापुर

ट्रेंड

कांग्रेस की झूठ

जैसे ही राम मंदिर में एयर फोर्स के एक पूर्व अधिकारी की नियुक्ति हुई, कांग्रेस की झूठ फैलाने वाली मशीन तुरंत हरकत में आ गई। उनकी योग्यता, उनका काम नहीं दिखाया गया, उन्होंने इसमें विवाद ढूंढ ही लिया।
-**शिवराज सिंह चौहान**, केंद्रीय कृषिमंत्री

आदिवासी छात्रों की लड़ाई

नासिक और महाराष्ट्र के आदिवासी छात्रों की लड़ाई सिर्फ शिक्षा, रोजगार, हॉस्टल और भोजन के लिए नहीं है, यह उनके अस्तित्व और आदिवासी पहचान की लड़ाई भी है। इन बहादुर छात्रों से मिलकर बहुत अच्छा लगा, जिन्होंने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई और जीत हासिल की।
-**राहुल गांधी**, सांसद, कांग्रेस

जगदीश मित्तल को नमन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक और 'राष्ट्रीय कवि संगम' के संस्थापक-अध्यक्ष जगदीश मित्तल के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। राष्ट्रीय चेतना के प्रति उनका समर्पण सभी को राष्ट्र-सेवा के पथ पर चलने के लिए प्रेरित करता रहेगा।
- **भजनलाल**, सीएम, राजस्थान

इसरो टीम को बधाई

इसरो का हर लॉन्च हमें गर्व से भर देता है। तकनीक के क्षेत्र में हासिल की गई हर नई कामयाबी भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मज़बूत करती है। ईओएस-05 को ले जाने वाले सफल जीएसएलवी-एफ17 मिशन के लिए इसरो की टीम को बहुत-बहुत बधाई।
- **स्मृति ईरानी**, पूर्व केंद्रीय मंत्री

करंट अफेयर

जॉर्डन को अमेरिकी संबंधों की कीमत चुकानी पड़ रही

अमेरिकी सैनिकों की मेजबानी करने वाले जॉर्डन को ईरान के साथ जारी अमेरिका के युद्ध में वाशिंगटन के साथ करीबी संबंधों की कीमत चुकानी पड़ रही है और ईरान उसके सैन्य ठिकानों को कई बार निशाना बना चुका है।

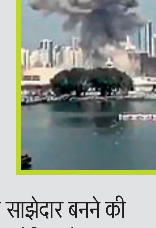

विश्लेषकों का कहना है कि सैकड़ों ड्रोन एवं मिसाइल हमलों ने जॉर्डन पर पहले से मौजूद दबाव को और बढ़ाया है। उनका कहना है कि देश की अर्थव्यवस्था सुस्त है और पड़ोसी वेस्ट बैंक में भी अस्थिरता बढ़ी है, जहां इजराइल ने फलस्तीनियों पर हमले तेज कर दिए हैं। जॉर्डन में और हमलों के खतरे के बावजूद उसके नेताओं का कहना है कि वे अमेरिका के साथ करीबी संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जॉर्डन अमेरिकी अधिकारियों के साथ सुरक्षा संबंध मजबूत करने और संघर्ष से जूझ रहे पश्चिम एशिया में पश्चिमी देशों के लिए एक भरोसेमंद साझेदार बनने की दशकों से कोशिश करता रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका के साथ यह गठजोड़ जॉर्डन को अपने पड़ोसी देशों को अस्थिर करने की ईरान की कोशिशों से बचाव का एक जरिया भी देता है। जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय ने ऐसे गठजोड़ की जरूरत को स्वीकार करते हुए पिछले साल कहा था कि कोविड-19 संकट, यूक्रेन पर रूस के व्यापक हमले और पश्चिम एशिया में इजराइल के कई सैन्य अभियानों से पैदा हुई अस्थिरता इस क्षेत्र से बहुत दूर तक भी अराजकता फैला सकती है।

ऑफ बीट

हिमालय से जुड़े खतरे होते जा रहे हैं जटिल

नेपाल में हाल में आई विनाशकारी बाढ़ का समय-क्रम अब धीरे-धीरे साफ हो रहा है। सुबह 8:37 बजे, उपकरणों ने नेपाल और चीन की सीमा के निकट कुछ हलचल

दर्ज की, जिसे शुरुआत में भूकंप समझा गया। लेकिन सिर्फ सात मिनट बाद ही, सीसीटीवी कैमरों ने गीरोंग पोर्ट सीमा चौकी को मलबे के भारी बहाव और बाढ़ से तबाह होते हुए दर्ज किया। नेपाल के बाढ़ नियंत्रण अधिकारियों को इस घटना की जानकारी सुबह लगभग 9:00 बजे मिली और उन्होंने सुबह लगभग 9:15 बजे एक आपातकालीन एसएमएस अलर्ट भेजा। लेकिन तब तक नेपाल एक बड़ी आपदा की चपेट में आ चुका था। कंपन दर्ज होने और आपातकालीन अलर्ट जारी होने के बीच 38 मिनट का अंतर ध्यान खींचने वाला है। लेकिन यह सोचना गलत होगा कि नेपाल के अधिकारी शुरुआती संकेत पर तुरंत कार्रवाई कर सकते थे: उस समय यह एक छोटा भूकंप लग रहा था, न कि पहाड़ों के धराशायी होने की कोई दुर्लभ घटना। इसके अलावा, बाढ़ इतनी तेजी से आई कि जल-स्तर मापने वाले सेंसर संभल ही नहीं सके; वे सामान्य जल-स्तर दर्ज करने के तुरंत बाद ही नष्ट हो गए। ज्यादा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि यदि एक बेहतर और एकीकृत चेतावनी प्रणाली होती, तो क्या भूकंप से जुड़े आंकड़ों, उपग्रह (सेटेलाइट) की तस्वीरों और अन्य जानकारियों को इतनी तेजी से जोड़कर देखा जा सकता था।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर

शनिवार 5 सितंबर 2026

भाद्रपद कृष्ण पक्ष नवमीं
वर्ष : 26, अंक : 165
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 4.00***

मौसम
अधि. 31.2
न्यून. 23.6

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का सामान्य कूपन
कल के अंक में देखें।

कंकड़-पत्थर बने गणित की किताब, खेल-खेल में बच्चों को सिखा रहीं ओमकुमारी

सीड बॉल बनाकर बच्चों में जगा रहीं प्रकृति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण की भावना, नवाचार के लिए राज्यपाल करेंगे सम्मानित

स्वतंत्र महंत ▶▶| रायगढ़

किताब-कॉपी और ब्लैकबोर्ड की पारंपरिक पढ़ाई से अलग पुसौर ब्लॉक के सेमरा प्राइमरी स्कूल की शिक्षिका ओमकुमारी पटेल बच्चों को प्रकृति की गोद में गणित का ज्ञान दे रही हैं। उनके नवाचार में कंकड़-पत्थर बच्चों के लिए गणित की किताब बन गए हैं। बच्चे इन्हीं कंकड़-पत्थरों को गिनकर जोड़-घटाव और अन्य गणितीय अवधारणाओं को आसानी से समझ रहे हैं।

ओमकुमारी का प्रयोग केवल गणित सिखाने तक सीमित नहीं है। वे बच्चों को प्रकृति से जोड़ने और उनके भीतर पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने के लिए भी अलग-अलग गतिविधियां कराती हैं। स्कूल में सीड बॉल तैयार करने की गतिविधि इसका प्रमुख हिस्सा है। इसके माध्यम से बच्चों को बीज, पौधों, ▶▶|शेष पेज 6 पर

लूडो से जोड़-घटाव का अभ्यास

ओमकुमारी ने बच्चों को खेल-खेल में गणित सिखाने के लिए लूडो को भी सीखने का माध्यम बनाया है। पासे पर आए अंकों और गोटियों की चाल के आधार पर बच्चे संख्याओं को जोड़ते और घटाते हैं। इससे गणित उनके लिए बोझिल विषय न रहकर खेल और मनोरंजन का हिस्सा बन जाता है। परिणामस्वरूप बच्चों की गणित के प्रति रुचि बढ़ रही है और वे बिना किसी दबाव के संख्यात्मक प्रक्रियाओं को समझ रहे हैं।

एक-एक कंकड़ से मिलती है सीख

राज्यपाल पुरस्कार के लिए नामित ओमकुमारी पटेल बताती हैं कि गणित को सरल और रोचक बनाने के लिए बच्चों को कंकड़-पत्थरों के माध्यम से जोड़ने और घटाने की संक्रियाएं सिखाई जाती हैं। बच्चे वस्तुओं को गिनकर, उनके समूह बनाकर और उनमें से कुछ वस्तुएं हटाकर जोड़-घटाव की अवधारणा समझते हैं। इस तरह आसपास उपलब्ध सामान्य वस्तुएं ही बच्चों के लिए सीखने का प्रभावी माध्यम बन जाती हैं।

सुकमा की शिक्षिकाओं को नवाचार और रचनात्मकता ने दिलाई पहचान

लीलाधर राठी ▶▶| सुकमा

सुकमा जिले की शासकीय प्राथमिक शाला रामाराम की प्रधान पाठक श्रीमती साविता उसेंडी व कुड़मेलपारा की श्रीमती परिणीता कश्यप को उनके उत्कृष्ट शिक्षण कार्य, नवाचार और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिष्ठित राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। श्रीमती साविता उसेंडी ने शिक्षा के क्षेत्र में अपने समर्पण और नवाचार से अलग पहचान बनाई है। 2 जून 2006 से शिक्षकीय सेवा की शुरुआत करने वाली

साविता उसेंडी ने पारंपरिक तरीके से पढ़ाने के बजाय खेल-खेल में शिक्षा, गतिविधि आधारित शिक्षण और बच्चों की रुचि के अनुसार पढ़ाई को ▶▶|शेष पेज 6 पर

अनेक पुरस्कारों से हो चुकी हैं सम्मानित

साविता उसेंडी के शिक्षा क्षेत्र में किए गए कार्यों को इससे पहले भी विभिन्न मंचों पर सम्मान मिल चुका है। उन्हें जिला शिक्षा दूत पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा कोविड-19 के दौरान शैक्षणिक गतिविधियों में योगदान के लिए भी प्रशस्ति मिली। वर्ष 2023 में उन्हें राज्य स्तरीय शिक्षकीय गतिविधियों एवं विभिन्न शैक्षणिक नवाचारों के लिए सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित शैक्षणिक गतिविधियों में भी उनके कार्यों को पहचान मिली है।

शिक्षा के लिए 19 साल से रोजाना 6 किलोमीटर पहाड़ी रास्ते का पैदल सफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

कांकेर जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर ईरादाह गांव के रहने वाले शिक्षक अरविंद कुरेटी रोजाना 6 किलोमीटर पहाड़ी रास्ते का सफर पैदल तय करते है ताकि पहाड़ी में बसे एक गांव के मासूमों को शिक्षा मिल सके और उनका भविष्य संवर सके। दरअसल, मुख्यालय से 18 किलोमीटर दूर ▶▶|शेष पेज 6 पर

पोस्टिंग से मलाल नहीं

अरविंद बताते हैं कि 19 साल हो गए है लेकिन उन्हें इस दुर्गम इलाके में पोस्टिंग का कोई मलाल नहीं है वो खुश है कि वो दुर्गम इलाके के बच्चों का भविष्य संवारने में जुटे है, अरविंद के पढ़ाये कई छात्र आज स्कूल से पास होकर कॉलेज में अध्ययनरत है और अपना भविष्य संवारने में जुटे हैं।

कौशांबी मामले के आरोपी के भाई का घर गिराया

कौशांबी। कौशांबी जिले के पिपरी थाना क्षेत्र की एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट के मामले में जिला प्रशासन ने मुख्य आरोपी नौशाद व उसके भाई शकील के मकान को भी बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। शकील भी 50 हजार रुपये का इनामी है तथा वह एक वांछित बदमाश है। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने बताया कि इस दुखद घटना के मामले में मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में आज विस्फोट कांड के फरार आरोपी शकील के मकान के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई।

सीजेपी के दबाव के बाद पुलिस ने लिया एक्शन! बुलंद शहर से पकड़ा आरोपी को

कॉकरोच का प्रेशर, मारपीट करने वाला इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र आखिरकार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दिल्ली थाने में 3 घंटे धरने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हुई मारपीट मामले में आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से पकड़ लिया है। यह कार्रवाई एक वायरल पॉडकास्ट क्लिप के सामने आने के बाद हुई है, जिसमें आरोपी ने सीजेपी कार्यकर्ता निशु आजाद के पिता संजय कुमार पर हमला करने की बात कथित तौर पर कबूल की थी। निशु ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी मदद की गुहार लगाई थी। सीजेपी के प्रेशर के चलते दिल्ली पुलिस शुक्रवार को एक्शन में आई। कॉकरोच जनता पार्टी कार्यकर्ता नीशू आजाद के पिता के साथ मारपीट मामले में सीजेपी ने शुक्रवार को दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में 3 घंटे प्रदर्शन किया। सीजेपी की मांग थी कि आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ तुरंत कार्रवाई हो। पुलिस ने सीजेपी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। सौरव दास ने सवाल उठाया कि जब आरोपी खुद हमला करने की बात स्वीकार कर रहा है तो पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है। बता दें कि मामले ने तब राजनीतिक और कानूनी तूल पकड़ा जब एक पॉडकास्ट क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुई। इस क्लिप में स्वतंत्र भारद्वाज ने दावा किया कि उसी ने संजय कुमार के सिर पर वार किया था और राजनीतिक प्रभाव के कारण उसके खिलाफ कोई बड़ी कानूनी कार्रवाई नहीं हुई और वह आसानी से बच निकला।

छात्रा की राहुल से अपील मुझे न्याय दिलाइए

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान जंतर-मंतर पर निशु आजाद के पिता पर हुए हमले का मामला अब राहुल गांधी तक पहुंच गया है। निशु ने गुरुवार को हमले के आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष से मदद मांगी थी। निशु ने शाम 4.30 बजे आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस उसके पिता पर हमला करने वाले आरोपी पर कार्रवाई नहीं कर रही है। निशु की अपील के 3 घंटे बाद राहुल ने उन्हें पूरा समर्थन देने की बात कही है। राहुल ने शाम 7:30 बजे जवाब में कहा, 'हम निशु के साथ हैं। जब तक न्याय नहीं मिल जाता, हम रुकेंगे नहीं।' लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर निशु को समर्थन दिया। उन्होंने कहा ▶▶ शेष पेज 6 पर

बडगाम में एक आतंकवादी ढेर, दूसरे की तलाश जारी

एजेंसी ▶▶| जम्मू

जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले के जंगल में शुक्रवार को सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में एक आतंकी मारा गया। चिनार कॉर्प्स ने एक्स पोस्ट पर इस ऑपरेशन की जानकारी दी है। यह ऑपरेशन जंगल के अंदर अशदार गली इलाके में चलाया गया। सुरक्षाबलों को यहां एक और आतंकी के छिपे होने की आशंका है। उसकी तलाश जारी है। सेना के अधिकारियों के मुताबिक, मारे गए आतंकी की पहचान अभी नहीं हो पाई है। हालांकि, मौके से एक एके 47 राइफल बरामद की गई है। यह मुठभेड़ घाटी में करीब 2 महीने बाद हुई है। चिनार कॉर्प्स के मुताबिक, गुरुवार शाम को जवानों ने इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद संदिग्ध आतंकियों से सरेंडर के लिए कहा गया। जिसके बाद आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच तेज गोलीबारी हुई।

सीएम साय का शिक्षक दिवस पर गुरुजनों से आग्रह, पीछे छूट रहे बच्चे का हाथ थामिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शिक्षक दिवस 5 सितंबर के अवसर पर प्रदेश के गुरुजनों के नाम आत्मीय पत्र लिखकर उन्हें सादर नमन किया है। पत्र में अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए बचपन के संघर्ष, उस दौर में शिक्षा प्राप्त करने की कठिनाइयों और आज शिक्षा के क्षेत्र में आए व्यापक बदलाव का भावपूर्ण उल्लेख किया है। उन्होंने शिक्षकों से आव्हान किया है कि वे प्रत्येक बच्चे के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानें और विशेष रूप से उन बच्चों का हाथ थामें जो अभाव, संकोच अथवा किसी अन्य कारण से पीछे छूट रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने शिक्षक दिवस पर गुरुजनों से अत्यंत आत्मीय आग्रह करते हुए कहा कि हर बच्चे के भीतर छिपी संभावना को पहचानिए। विशेषकर उस बच्चे का हाथ अवश्य थामिए, जो अभाव में है, संकोच में है या किसी कारण पीछे छूट ▶▶|शेष पेज 6 पर

गुरुजनों के प्रति व्यक्त की कृतज्ञता

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने पत्र में अत्यंत भावपूर्ण ढंग से गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि शिक्षक दिवस पर वे मुख्यमंत्री के रूप में ही नहीं, बल्कि कभी गांव के एक छोटे से स्कूल में पढ़ने वाले उस विद्यार्थी के रूप में भी सभी गुरुजनों के प्रति कृतज्ञ हैं, जिसने अपने शिक्षकों से मिले संस्कार और सीख को जीवन की पूंजी माना है।

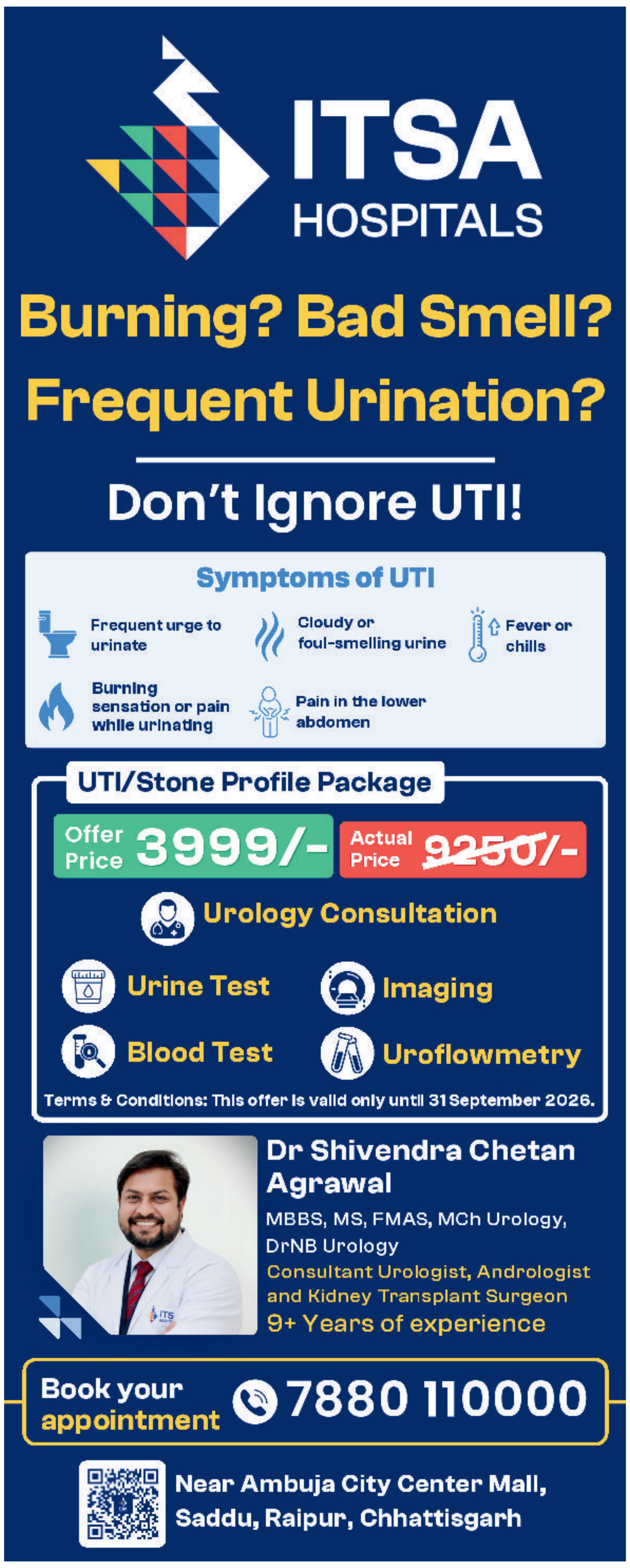

खबर संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 740.80 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 11.47 अरब डॉलर उछलकर 740.80 अरब डॉलर के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इसके एक सप्ताह पहले भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 12.42 अरब डॉलर बढ़कर 729.39 अरब डॉलर रहा था जो अपने-आप में एक रिकॉर्ड था।

रेंटोमोजो ने आईपीओ का मूल्य दायरा किया तय

नई दिल्ली। घरेलू फर्नीचर और उपकरण किराये पर देने वाली कंपनी रेंटोमोजो लिमिटेड ने अपने 1256 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मूल्य दायरा 384-404 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि आईपीओ बोली के लिए नौ सितंबर को खुलेगा और 11 सितंबर को बंद होगा।

करमतारा का 875 करोड़ का आईपीओ नौ सितंबर को

Karamtara Engineering Pvt. Ltd

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा और बिजली पारेषण क्षेत्रों के लिए इंजीनियरिंग इस्पात उत्पाद बनाने वाली कंपनी करमतारा इंजीनियरिंग लिमिटेड नौ सितंबर को 875 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने जा रही है। कंपनी ने शुक्रवार को सार्वजनिक घोषणा में कहा कि आईपीओ के लिए 241-254 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है।

मणिपाल पेमेंट का आईपीओ नौ सितंबर को खुलेगा

MPi Manipal Payment and Identity Solutions

नई दिल्ली। मणिपाल पेमेंट एंड आइडेंटिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने शुक्रवार को अपने 805 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए प्रति शेयर 322-339 रुपये का मूल्य दायरा तय किया। कंपनी का आईपीओ नौ सितंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 11 सितंबर को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशक आठ सितंबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे।

एलसीसी प्रोजेक्ट्स का आईपीओ नौ सितंबर को

नई दिल्ली। एलसीसी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 139-146 रुपये प्रति शेयर शुक्रवार को तय किया। कंपनी ने बताया कि 427 करोड़ रुपये का उसका आईपीओ बोली के लिए नौ सितंबर को खुलेगा और 11 सितंबर को बंद होगा।

एडोब ने चक्रवर्ती को नया सीईओ किया नियुक्त

वाशिंगटन। अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी एडोब ने अनिल चक्रवर्ती को अपना नया अध्यक्ष और सीईओ नियुक्त किया है। कंपनी के अनुसार, चक्रवर्ती एक दिसंबर से पद संभालेंगे और 18 साल से अधिक समय तक कंपनी का नेतृत्व करने वाले शांतनु नारायण का स्थान लेंगे। नारायण अब कार्यकारी चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालेंगे। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र चक्रवर्ती फिलहाल एडोब के ग्राहक अनुभव प्रबंधन कारोबार और वैश्विक बिक्री परिचालन के अध्यक्ष हैं।

केन्या में 100 साल से काम कर रही टाटा केमिकल्स को दिखाया बाहर का रास्ता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

करीब एक सदी से केन्या में 'सोडा ऐश' का खनन कर रही टाटा केमिकल्स को अब देश से बाहर निकालने का फरमान मिला है। हाल ही में केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने सार्वजनिक मंच से टाटा के खिलाफ सख्त बयान देते हुए कहा है कि कंपनी ने 100 साल तक देश के प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल किया, लेकिन स्थानीय लोगों को इससे कोई फायदा नहीं हुआ है।

- कंपनी पर देश की प्राकृतिक संसाधनों का लगाया इस्तेमाल करने का आरोप

हालांकि टाटा केमिकल्स ने इन आरोपों को खारिज किया है। कंपनी के कहा है कि उसकी केन्या की यूनिट सभी नियमों का पूरी तरह पालन कर रही है। टाटा ने यह भी कहा कि कंपनी सरकार के साथ हर तरह का सहयोग भी कर रही है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर टाटा पर इतने बड़े आरोप क्यों लग रहे हैं?

राष्ट्रपति रूटो ने टाटा के खिलाफ सख्त बयान दिया

टाटा केमिकल्स ने खारिज किए आरोप

इस बीच राष्ट्रपति रूटो के आरोपों की खबर आते ही शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर टाटा केमिकल्स के शेयर में गिरावट दर्ज की गई है। अब टाटा केमिकल्स ने केन्याई सरकार के इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। कंपनी का कहना है कि वह सभी जरूरी नियमों का पूरी तरह से पालन कर रही है। टाटा केमिकल्स ने मंत्रालय के सभी सवालों के विस्तृत जवाब भी सौंप दिए हैं।

दो नई कंपनियों को लाने का फैसला : राष्ट्रपति ने कहा कि कंपनी सिर्फ प्राकृतिक सोडा ऐश का निर्यात करती रही है, लेकिन केन्या में कांच या केमिकल बनाने की कोई बड़ी फैक्ट्री नहीं लगाई। यही नहीं सरकार ने टाटा को बाहर कर 2 नई कंपनियों को लाने का फैसला भी किया है। एक कंपनी यहां कांच का निर्माण करेगी और दूसरी रसायन बनाएगी। कजिआडो के गवर्नर जोसेफ ओले लेंकू के मुताबिक टाटा के खनन अधिकार 2023 में ही खत्म हो चुके हैं।

रोक दिए गए थे ऑपरेशन्स : इससे पहले केन्या के खनन मंत्रालय ने लगभग 5 सप्ताह पहले ही टाटा केमिकल्स मगाडी लिमिटेड के कामकाज पर रोक लगा दी थी। खनन कैबिनेट सचिव हसन जोहो के मुताबिक कंपनी पर रॉयल्टी और कानूनी देनदारी का भुगतान ना करने का आरोप है। वहीं सरकार ने स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसरों की कमी जैसे मुद्दे भी उठाए हैं।

क्या है सोडा ऐश?: सोडा ऐश एक अहम इंड्रस्ट्रीयल केमिकल है और इसका इस्तेमाल कई उद्योगों में होता है। मुख्य रूप से इसका इस्तेमाल कांच बनाने में, डिटर्जेंट जैसे सफाई उत्पादों में, रसायन उद्योग में और इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों के निर्माण में भी किया जाता है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसयूजी) के अनुसार केन्या प्राकृतिक सोडा ऐश का दुनिया का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है और वैश्विक उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी करीब 1 फीसदी है।

कंपनी ने देश में कुछ भी नहीं बनाया

केन्या के राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से कंपनी को देश से बाहर निकलने की बात की है। बीते दिनों दक्षिणी क्षेत्र कजिआडो के मगाडी में एक दौरे के दौरान राष्ट्रपति रूटो ने टाटा पर सीधा हमला बोला। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'टाटा के पास 100 साल से खनन अधिकार हैं, फिर भी उसने कजिआडो में कुछ नहीं बनाया। वे हमारे संसाधनों को भारत और अन्य जगहों पर ले जाते हैं। क्या हम दूसरों के गुलाम हैं?'

यह देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है

एनएसई के 30,000 करोड़ रुपए के आईपीओ का रास्ता साफ, सेबी की मिली मंजूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को करीब 30,000 करोड़ रुपये के बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। यह देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की वेबसाइट पर शुक्रवार को उपलब्ध जानकारी के अनुसार, नियामक ने एनएसई को आईपीओ प्रस्ताव पर आगे बढ़ने के लिए मंजूरी दे दी है।

एनएसई का आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। इसमें मौजूदा शेयरधारक करीब छह प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर 14.89 करोड़ शेयर बेचेंगे। ओएफएस होने की वजह से इससे जुटाई गई राशि एनएसई को नहीं, बल्कि शेयर बेचने वाले मौजूदा निवेशकों को मिलेगी।

निर्गम 15 सितंबर को खुलने की संभावना

मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, एनएसई अगले सप्ताह आईपीओ के लिए मूल्य दायरा और अन्य प्रमुख विवरण घोषित कर सकता है। इस निर्गम के 15 सितंबर को खुलने और 24-25 सितंबर को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की संभावना है। करीब 30,000 करोड़ रुपये जुटाने की स्थिति में एनएसई अक्टूबर 2024 में आए हुंडई मोटर इंडिया के 27,858.75 करोड़ रुपये के आईपीओ का रिकॉर्ड पीछे छोड़ देगा।

सेबी ने मंजूरी लंबे समय तक रोक दी थी

एनएसई के आईपीओ तक पहुंचने का सफर लंबा रहा है। इसने 2016 में पहली बार ओएफएस के जरिये करीब 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए मसौदा दस्तावेज दाखिल किए थे। लेकिन नियामकीय खामियों और को-लोकेशन मामले से जुड़ी चिंताओं के चलते सेबी ने इसकी मंजूरी लंबे समय तक रोक दी थी।

- एनएसई का आईपीओ पूरी तरह ओएफएस पर आधारित होगा
- मौजूदा शेयरधारक करीब 14.89 करोड़ शेयर बेचेंगे
- जुटाई गई राशि एनएसई को नहीं शेयर बेचने वाले निवेशकों को मिलेगी

एसबीआई 2.48 करोड़ तक शेयर बेचेगा

मसौदा दस्तावेज के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) आईपीओ में 2.48 करोड़ तक शेयर बेचेगा, जबकि एमएस स्ट्रैटेजिक (मॉरीशस) लिमिटेड 1.60 करोड़ शेयरों की बिक्री करेगी। एसबीआई की एनएसई में 3.23 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि उसकी अनुषंगी एसबीआई कैपिटल मार्केट्स के पास 4.33 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

टक्कर जियो प्लेटफॉर्म्स के निर्गम से होगा

सबसे बड़े आईपीओ के तमगे के लिए इसकी टक्कर रिलायंस की डिजिटल सेवा इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के प्रस्तावित निर्गम से होगी। जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ का आकार करीब 37,700 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, लेकिन इसके आने का समय अभी घोषित नहीं हुआ है।

एलआईसी कोई भी शेयर नहीं बेचेगी

हालांकि, एनएसई की सबसे बड़ी शेयरधारक कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अपनी 10.72 प्रतिशत हिस्सेदारी में से कोई भी शेयर नहीं बेचेगी। एनएसई के निदेशक मंडल ने इस साल छह फरवरी को आईपीओ लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इससे पहले एक्सचेंज को सेबी से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिल गया था।

एलआईसी, पेटीएम, टाटा कैपिटल और कोल इंडिया से बड़ा होगा

एनएसई का आईपीओ 2022 में आए एलआईसी के 20,557.23 करोड़ रुपये के निर्गम के अलावा 2021 में आए पेटीएम के 18,300 करोड़ रुपये, 2025 में आए टाटा कैपिटल के 15,511.87 करोड़ रुपये और 2010 में आए कोल इंडिया के 15,200 करोड़ रुपये के आईपीओ से भी बड़ा होगा। करीब एक दशक की नियामकीय अड़चनों के बाद आने वाला यह आईपीओ एनएसई को बाजार पूंजीकरण के लिहाज से भारत की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में शामिल कर सकता है।

किआ इंडिया ने प्रीमियम एसयूवी 'सोरेंटो' पेश की

- कंपनी का हाइब्रिड प्रौद्योगिकी पर रहेगा खास जोर
- सोरेंटो की कीमत 27 .99 लाख से 40 .39 लाख रुपए के बीच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वाहन विनिर्माता किआ इंडिया टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के साथ हाइब्रिड और सीएनजी जैसी विभिन्न प्रौद्योगिकियों को अपनाएगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ग्वांगगु ली ने शुक्रवार को यह बात कही। ली ने कहा कि आने वाले समय में हाइब्रिड वाहन उसके उत्पाद पोर्टफोलियो का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। उन्होंने किआ इंडिया के सात सीट वाले प्रीमियम एसयूवी मॉडल 'सोरेंटो' को पेश किए जाने के संदर्भ में यह बात कही। कंपनी ने इस मॉडल को स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड और डीजल इंजन विकल्पों में पेश किया है। सोरेंटो की कीमत 27.99 लाख रुपये से 40.39 लाख रुपये के बीच है। ली ने कहा कि दुनियाभर के वाहन उद्योग में बदलाव आया है और अलग-अलग बाजारों ने अलग-अलग रास्ते अपनाए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में हाइब्रिड वाहनों की मांग मजबूत है, जबकि यूरोपीय संघ में ईवी को अधिक पसंद किया जा रहा है।

किआ ने कई तरह के पावर ट्रेन किए पेश : चीन में भी अलग रुझान देखने को मिल रहा है। भारत में ईंधन प्रौद्योगिकियों को लेकर कंपनी की रणनीति के बारे में पूछे जाने पर ली ने कहा, /"कंपनी को बाजार में बदलाव के अनुरूप तेजी से और पहले से तैयारी करनी होगी।

हाइब्रिड वाहनों के लिए प्रोत्साहन से किया इंकार

ली ने हाइब्रिड वाहनों के लिए सरकार से कर प्रोत्साहन जैसे समर्थन की जरूरत से इनकार किया। उन्होंने कहा कि सरकार को ईवी का समर्थन करना चाहिए, लेकिन हाइब्रिड वाहनों के लिए सरकारी समर्थन के बिना भी काम चल सकता है। ली ने कंपनी के 'सॉनेट' और 'सेल्टोस' जैसे मॉडल में हाइब्रिड प्रौद्योगिकी लाने की संभावना से इनकार किया।

आरबीआई ने नीलामी के जरिए 6.02 लाख करोड़ रुपए वापस लिए

- बैंकों में अधिशेष नकदी रिकॉर्ड स्तर पर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

बैंकों में अधिशेष नकदी के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बने रहने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को दो परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामियों के जरिये 6.02 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि वापस ली। केंद्रीय बैंक को तीन दिवसीय वीआरआरआर नीलामी में सात लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले 5,41,975 करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं और उसने उन्हें स्वीकार कर लिया। यह नीलामी 5.24 प्रतिशत की 'कट ऑफ' दर (ब्याज) पर आयोजित की गई थी। एक अन्य तीन दिवसीय वीआरआरआर नीलामी में 1.5 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले बैंकों ने 5.24 प्रतिशत की ब्याज दर पर आरबीआई के पास 60,419 करोड़ रुपये रखे।

बैंकों में नकदी का प्रभाव बढ़ा

विशेष एफसीएनआर (बी) जमा योजना के माध्यम से भारी पूंजी प्रवाह के बाद बैंकों में नकदी का प्रवाह अत्यधिक बढ़ गया है, जिसके चलते आरबीआई ने नकदी को वापस लेने के अपने परिचालनों को तेज कर दिया है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, तीन सितंबर तक बैंकों में नकदी लगभग 10.32 लाख करोड़ रुपये के अधिशेष में होने का अनुमान है।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी की क्षमता 15 गीगावाट के पार...

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी की कुल परिचालन क्षमता 15 गीगावाट को पार कर गई है। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी कुल परिचालन क्षमता 15,025 मेगावाट में से 9,067 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता शामिल है। इसमें 3,125 मेगावाट पवन ऊर्जा, 2,426 मेगावाट सौर, 1,735 मेगावाट हाइब्रिड और 1,781 मेगावाट जलविद्युत क्षमता है। वहीं, कंपनी का तापीय विद्युत क्षमता 5,958 मेगावाट है। कंपनी ने कहा कि वह वित्त वर्ष 2026-27 तक 3,000 मेगावाट की नयी परियोजना क्षमता जोड़ने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

'पात्र विनिर्माता आयातक' योजना के लिए जरूरी दस्तावेजों में कटौती

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा-शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 'पात्र विनिर्माता आयातक' (ईएमआई) योजना के तहत नामांकन के लिए कारोबारियों द्वारा दिए जाने वाले आंकड़ों और दस्तावेजों की जरूरत में उल्लेखनीय कटौती की है। सीबीआईसी ने एक परिपत्र में कहा कि इस योजना के तहत नामांकन के लिए दस्तावेजों की जरूरत संबंधी संशोधित प्रक्रिया 15 सितंबर से प्रभावी हो जाएगी।

- नामांकन के लिए आंकड़ों और दस्तावेजों में की कटौती
- संशोधित प्रक्रिया 15 सितंबर से प्रभावी हो जाएगी

ईएमआई योजना का उद्देश्य कारोबार सुगमता बढ़ाना, अनुपालन संस्कृति को मजबूत करना और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है। वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में विश्वसनीय विनिर्माताओं को सुविधा देने के लिए आयातकों की नई श्रेणी 'पात्र विनिर्माता आयातक' (ईएमआई) के लिए सीमा शुल्क के स्थगित भुगतान की सुविधा शुरू की गई थी।इसके तहत पात्र आयातक आयातित माल को सीमा शुल्क का भुगतान किए बिना ही छुड़ा सकेंगे।

दस्तावेजों की संख्या 10 से घटाकर तीन

सीबीआईसी ने कहा कि उसे कारोबार जगत से ईएमआई योजना के तहत आवेदन दाखिल करने के लिए निर्धारित आंकड़ों और दस्तावेजों की जरूरत को तर्कसंगत बनाने का अनुरोध मिला था। इसके बाद संशोधित आवेदन प्रारूप में आवेदक द्वारा अपलोड किए जाने वाले दस्तावेजों की संख्या 10 से घटाकर तीन कर दी गई है। साथ ही, आवेदन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए जमा किए जाने वाले आंकड़ों की सूची भी छोटी की गई है।

मस्क ने बिना स्टीयरिंग व्हील वाली टैक्सी सेवा शुरू की

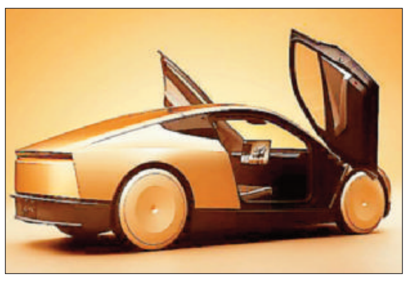

- टेक्सास के ऑस्टिन की सड़कों पर साइबरकैब्स उतारीं
- यात्रियों के पास नियंत्रण हाथ में लेने का कोई साधन नहीं होगा

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

एलन मस्क ने टेक्सास के ऑस्टिन की सड़कों पर बिना स्टीयरिंग व्हील या ब्रेक पेडल वाली दर्जनों अपने आप चलने वाली 'साइबरकैब्स' उतारीं। उन्होंने इस उम्मीद के साथ यह दांव लगाया है कि अमेरिकी यात्री आपात स्थिति में 'कोई नियंत्रण न होने' के डर से उबरकर इसमें सवारी करेंगे।

सुनहरे रंग की इन टेस्ला कारों की शुरुआत ऐसे समय में हुई है जब कंपनी अन्य शहरों में भी इस सेवा को शुरू करने की तैयारी कर रही है। इन टैक्सियों में यात्रियों के पास आपात स्थिति में नियंत्रण अपने हाथ में लेने का कोई साधन नहीं होता है। वाहनों की बिक्री में आई गिरावट के बीच टेस्ला के शेयरों को नुकसान उठाना पड़ा था, लेकिन बृहस्पतिवार को इसमें पांच प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। यह उछाल इस उम्मीद में दिखा कि भविष्य की तकनीक जैसी दिखने वाली ये टैक्सियां तेजी से लोकप्रिय होंगी। इस पेशकश से पहले टेस्ला ने 'एक्स' पर लिखा, ''कोई स्टीयरिंग व्हील नहीं, कोई ब्रेक पेडल नहीं।'' अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मस्क कितनी जल्दी साइबरकैब सेवा का व्यापक विस्तार करने का इरादा रखते हैं, लेकिन उन्हें तेजी से कदम उठाने की जरूरत है। सड़कों पर उतारी गई टैक्सियों की संख्या और पूरी की गई यात्राओं के मामले में टेस्ला अपने आप चलने वाली टैक्सी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी 'वेमो' से पीछे है।

वेमो व जूक्स कैमरों के साथ रडार व लेजर का करते हैं उपयोग : बराबरी करने के लिए टेस्ला को यह साबित करना होगा कि उसकी केवल कैमरों पर आधारित प्रणाली सड़कों पर सुरक्षित रूप से चल सकती है और पैदल चलने वालों को बचा सकती है।

यात्री बहुत कम सहज महसूस करते हैं

भले ही टेस्ला की तकनीक अच्छी तरह से काम करे, फिर भी अमेरिकी यात्रियों को भरोसा दिलाना बाकी है। फरवरी में किए गए 'प्यू रिसर्च सेंटर' के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 10 में सात अमेरिकी वयस्क बिना चालक वाली कार में सवारी करने में बिल्कुल सहज नहीं या बहुत कम सहज महसूस करते हैं।

शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 363 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- निफ्टी भी लाभ में, वैश्विक बाजार रहे मजबूत
- धातु, निजी बैंक व तेल-गैस के शेयरों में रही खरीदारी

वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच धातु, निजी बैंक और तेल एवं गैस कंपनियों के शेयरों में खरीदारी आने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार चार दिन की गिरावट से उबरकर तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 363 अंक चढ़ा जबकि निफ्टी में बढ़त सीमित रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 362.57 अंक बढ़कर 76,515.43 अंक पर बंद हुआ। इसके 20 शेयर लाभ में, जबकि 10 नुकसान में रहे। सेंसेक्स 730.28 अंक तक चढ़कर 76,883.14 अंक के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया था। निफ्टी भी 24.25 अंक बढ़कर 23,897.70 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तत्काल ब्याज दर बढ़ाने की आशंका कम होने से भारतीय शेयर बाजार में राहत भरी तेजी आई। ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली और पश्चिम एशिया में तनाव जारी रहने से बढ़त सीमित रही। घरेलू बाजार में शेयर और क्षेत्र आधारित खरीदारी जारी रही तथा छोटी कंपनियों के शेयरों के सूचकांक कारोबार के दौरान अपने अब तक के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गए।

दुनिया की बड़ी कार कंपनी ने कॉस्ट-कटिंग प्लान किया मंजूर

मंदी का विस्फोट! फॉक्सवेगन करेगा 1 लाख कर्मचारियों की छंटनी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया की बड़ी कार कंपनियों में शामिल फॉक्सवैगन ने बड़ा कॉस्ट-कटिंग प्लान मंजूर किया है। कंपनी के बोर्ड ने करीब 50,000 नौकरियों में कटौती की योजना को मंजूरी दे दी है।

- जर्मनी में मौजूद चार बड़े प्लांट्स में गाड़ी प्रोडक्शन बंद करने की तैयारी

इसके साथ ही जर्मनी में मौजूद चार बड़े प्लांट्स में गाड़ी प्रोडक्शन बंद करने की तैयारी है। यानी कि कंपनी के मौजूदा पुनर्गठन के तहत टोटल 1 लाख पद कम किए जाएंगे। फॉक्सवैगन इस समय कई तरह की चुनौतियों से जूझ रही है। खासकर चीन के बाजार में सस्ती कार बनाने वाली कंपनियों से उसे कड़ा कॉम्पोटिशन मिल रहा है।

चार जर्मन प्लांट्स पर संकट

कंपनी के नए प्लान में जर्मनी के चार प्लांट्स में गाड़ियों के प्रोडक्शन को बंद करने की बात है। इनमें एम्डेन, ज्विकाउ, हनोवर और नेकार्सुल्म शामिल हैं। फॉक्सवैगन यूरोप में अपनी प्रोडक्शन क्षमता को भी कम करना चाहती है। यह पहली बार होगा जब फॉक्सवैगन ने अपने ही देश में पूरी तरह से काम करने वाली फैक्ट्रियां बंद की होंगी। 2012 से ज़्विकौ प्लांट में काम कर रहे मार्टिन लेहमैन ने बताया कि अगर यह प्लांट सच में बंद हो जाता है, तो नक्शे पर एक बड़ा काला धब्बा लगा सकता है। यह प्लांट और इससे जुड़ी बाहरी नौकरियां, हमारे सप्लायर-ये सब पूरे इलाके की अर्थव्यवस्था की जान हैं।

पहले भी हुई थी छंटनी? : ये पहली बार नहीं है जब फॉक्सवैगन ने बड़े पैमाने पर नौकरी घटाने का फैसला लिया है। इससे पहले कंपनी ने 50,000 नौकरियों में कटौती पर सहमति बनाई थी। अब नई 50,000 कटौती को जोड़ने पर पुनर्गठन के तहत कुल 1 लाख नौकरियां कम हो सकती हैं। कंपनी का ये कदम ऑटो इंडस्ट्री में तेजी से बदल रहे माहौल को दिखाता है, जहां चीनी कंपनियों से बढ़ता कॉम्पिटिशन, मांग में कमी, टैरिफ और ज्यादा प्रोडक्शन क्षमता जैसी चुनौतियां बड़ी कार कंपनियों पर दबाव बढ़ा रही हैं।

इसके अलावा अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ और यूरोप में प्रोडक्शन कैपेसिटी जरूरत से ज्यादा होना भी कंपनी के लिए परेशानी बढ़ा रहा है। इन्हीं चुनौतियों के बीच कंपनी ने लागत कम करने और अपने कारोबार को और बड़ा बनाने के लिए ये बड़ा फैसला लिया है।

कारों के मॉडल भी होंगे कम

नौकरियों और प्लांट्स में बदलाव के साथ कंपनी अपने मॉडल लाइनअप को भी छोटा करने की तैयारी में है। फॉक्सवैगन का प्लान अपने कार मॉडल्स की संख्या को करीब आधा करने की है। इसका मकसद कम लेकिन ज्यादा बिकने वाले मॉडल्स पर फोकस करना और उत्पादन लागत घटाना है। फॉक्सवैगन का ये प्लान कंपनी के इतिहास के सबसे बड़े बदलावों में से एक माना जा रहा है। नए प्लान के तहत कंपनी लागत घटाने, उत्पादन को अधिक कुशल बनाने और बदलते वैश्विक ऑटो मार्केट में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

परिणीता ने कमजोर आदिवासी बच्चों को बनाया हर विधा में सशक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचार और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित प्रयासों की बदौलत सुकमा जिले के कुड़मेलपारा की शिक्षिका एवं प्रधानपाठक श्रीमती परिणीता कश्यप को शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। श्रीमती परिणीता कश्यप पिछले कई वर्षों से विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उनके नेतृत्व में विद्यालय में बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाई को रुचिकर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। विद्यालय परिसर को आकर्षक बनाने के लिए बच्चों की सहभागिता से पेंटिंग, चित्रकला, टीएलएम निर्माण, कबाड़ से जुगाड़ तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा दिया गया है। ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्र में सीमित संसाधनों के बीच बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए श्रीमती कश्यप का समर्पण प्रेरणादायी है।

पूर्व में भी मिल चुके हैं अनेक सम्मान

श्रीमती परिणीता कश्यप की शिक्षा के क्षेत्र में सक्रियता और उत्कृष्ट कार्यों को समय-समय पर विभिन्न मंचों पर सराहा गया है। वर्ष 2012 से 2024 तक उन्हें शिक्षा, नवाचार, उत्कृष्ट सेवा, सहयोगात्मक कार्य तथा विद्यालय विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों के लिए जिला एवं राज्य स्तर पर अनेक पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्राप्त हो चुके हैं।

नहीं था दृष्टिबाधितों के लिए स्कूल पढ़ने के लिए गईं दूसरे शहर

यशवंत साहू ▶▶| धमतरी

शिक्षक दिवस

बचपन से आंखों की रोशनी नहीं होने के बावजूद चित्ररेखा ने परिस्थितियों के आगे हार नहीं मानी। पढ़ाई के जुनून और परिवार के सहयोग से उन्होंने एमए तक शिक्षा हासिल की और अब सरकारी शिक्षिका बनकर बच्चों का भविष्य संवार रही हैं। कोलियारी के प्राथमिक स्कूल में पदस्थ चित्ररेखा अपने पढ़ाने के हुनर से विद्यार्थियों के बीच लोकप्रिय हैं। उनकी संघर्ष की कहानी दृष्टिहीनों सहित समाज के लिए प्रेरणा बनी हुई है। प्रारंभिक शिक्षा के बाद चित्ररेखा ने 2006 में एमडीए स्कूल टाटीबंध रायपुर से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। सामान्य बच्चों के बीच पढ़ाई करते हुए उन्होंने 61 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसके बाद उन्होंने धमतरी पीजी कॉलेज से इतिहास विषय में एमए की पढ़ाई पूरी की। शिक्षा पूरी करने के बाद शिक्षक के रूप में उनका सफर शुरू हुआ। करीब 17 वर्षों से वे शिक्षण सेवा से जुड़ी हैं। वर्तमान में कोलियारी के प्राथमिक स्कूल में बच्चों को पढ़ा रही हैं। विद्यार्थी उनके पढ़ाने के तरीके को पसंद करते हैं और उनकी कक्षा में नियमित रूप से पहुंचकर पढ़ाई करते हैं। चित्ररेखा के लिए शिक्षक की जिम्मेदारी केवल नौकरी नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने का माध्यम है।

अध्यापन सहित आत्मनिर्भरता की मिसाल

चित्ररेखा का जन्म एक सामान्य परिवार में हुआ। बचपन से दृष्टिहीन होने के कारण उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई बार परिस्थितियां निराश करने वाली रहीं, लेकिन पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़े होने का जुनून उनके भीतर हमेशा बना रहा। उनकी पढ़ाई के प्रति रुचि को देखते हुए पिता रमेश कुमार एवं मां गोदावरी बाई ने उन्हें आगे बढ़ाने का फैसला लिया।

दिल्ली, राजस्थान, मप्र में रेड अलर्ट, 12 राज्यों में भारी बारिश, 72 की स्पीड से चलेगी हवा

कई जगह पर लो प्रेशर एरिया की वजह से हो रही है झमाझम बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश में तूफानी मानसून के बीच मौसम विभाग ने एक और मुश्किल भरा अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग ने आज यानी 5 सितंबर को दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश में रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं यूपी, दिल्ली, बिहार उत्तराखंड समेत 12 राज्यों के लिए भारी बारिश -आंधी की चेतावनी जारी कर दी है। इस दौरान 72 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक की तेज आंधी चल सकती है। इस समय कई राज्यों में मॉनसून एक्टिव है, तो कई जगह पर लो प्रेशर एरिया की वजह से झमाझम बारिश हो रही है। दिल्ली, पंजाब, राजस्थान से लेकर यूपी, बिहार और बंगाल तक भारी बारिश जारी है। फिलहाल में एक लो प्रेशर एरिया का क्षेत्र उत्तरी मध्य प्रदेश और दक्षिणी उत्तर प्रदेश के ऊपर बना हुआ है जिस कारण भारी बारिश की संभावना है।

यूपी में आंधी-बारिश, तूफान की संभावना

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भी कल बारिश की संभावना जताई है। आईएमडी के अनुसार, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कल काफी व्यापक बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम लगभग शुष्क रहेगा और केवल कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की उम्मीद है।

मध्य प्रदेश में बारिश का अलर्ट

पश्चिमी मध्य प्रदेश में भी आज मॉनसून पूरी तरह से सक्रिय रहेगा। यहां काफी ज्यादा से लेकर व्यापक बारिश का अनुमान है। इस दौरान तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की भी संभावना है। कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। बारिश के अलर्ट के बीच सरकार ने सभी जिलों के कलेक्टरों को अलर्ट रहने को कहा है।

छत्तीसगढ़ सहित राज्यों में भी बारिश का अलर्ट

बहुत भारी बारिश: पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश।
मध्यम बारिश वाले राज्य: दिल्ली-एनसीआर, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, गोवा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम।

दिल्ली राजस्थान में बारिश का रेड अलर्ट

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में दोपहर में भारी बारिश हुई जिससे वहां का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मौसम विभाग ने आज भी दिल्ली-एनसीआर में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की भी चेतावनी दी है। राजस्थान में भी कई इलाकों में पिछले 24 घंटे में भारी बारिश हुई है। आज भी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने बताया कि कल दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों सहित कोटा संभाग में कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है।

उत्तराखंड में भारी बारिश

उत्तराखंड में आज काफी व्यापक बारिश होने की संभावना है, जिसके साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की भी चेतावनी है। मौसम विभाग ने राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है।

नाइजीरिया में हादसा

जहाज से तेल चुराने में गई 37 की जान, कई लापता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नाइजीरिया के तेल समृद्ध राज्य 'रिवर्स' में एक बड़ा हादसा सामने आया है, जहां कच्चा तेल चुराने की कोशिश कर रहे कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेल निकालते समय जहरीली गैस निकलने लगी, जो सांस के जरिए अंदर गई और लोगों की जान चली गई। हादसे के बाद कई लोग अभी भी लापता हैं। आशंका है कि कुछ लोग जहरीले धुएं की चपेट में आने के बाद पानी में गिर गए या घटनास्थल से बाहर नहीं निकल सके। पर्यावरण से जुड़े संगठन यूथ्स एंड एनवायरनमेंटल एडवोकेसी सेंटर ने शुक्रवार को हादसे की जानकारी दी। संगठन के मुताबिक कई लोग एक तेल लोड करने वाले जहाज से कच्चा तेल अपनी छोटी नावों में निकाल रहे थे। इसके लिए एक अवैध तेल निकासी जगह का इस्तेमाल किया जा रहा था। इसी दौरान तेज दबाव के साथ जहरीली गैस और धुएं का रिसाव हुआ, जिसकी चपेट में आने से कई लोगों की मौत हो गई।

नाइजर डेल्टा में आम है तेल चोरी

बता दें कि नाइजीरिया के नाइजर डेल्टा क्षेत्र में तेल चोरी की घटनाएं लंबे समय से सामने आती रही हैं। यह इलाका देश के सबसे प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है। पाइपलाइनों में अवैध छेद कर तेल निकालना और उसे छोटी नावों या दूसरे साधनों के जरिए ले जाना यहां आम है। नाइजीरिया अफ्रीका का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है, लेकिन तेल संसाधनों की प्रचुरता के बावजूद नाइजर डेल्टा में बड़ी आबादी गरीबी और बेरोजगारी से जूझती है।

दही हांडी की धूम...

कोलकाता। जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर कोलकाता में हुई दही हांडी प्रतियोगिता में दही लूटते हुए युवतियां।

बीएलए के दो हमलों में मारे गए 25 पाकिस्तानी सैनिक, हथियार भी लूटे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बीएलए द्वारा किए गए पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा बलों के खिलाफ दो अलग-अलग हमलों में 25 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए वहीं बीएलए के सदस्यों ने पाक सेना के हथियार भी लूट लिए। बलोच लिबरेशन आर्मी यानी बीएलए ने बड़ा दावा किया है। बीएलए के मुताबिक, पहला हमला जियारत क्रॉस के पास पाकिस्तानी सेना के एक काफिले को निशाना बनाकर किया गया। संगठन ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने काफिले की दो गाड़ियों को नष्ट कर दिया और इस हमले में 18 सुरक्षाकर्मी मारे गए। बीएलए का कहना है कि पांच घायल जवान वहां से भागने में कामयाब रहे, जबकि हमलावरों ने हथियार भी अपने कब्जे में ले लिए।

पाक ने नहीं की सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि

इन हमलों में 25 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने के बीएलए के दावे की फिलहाल पाकिस्तानी अधिकारियों या किसी स्वतंत्र स्रोत से पुष्टि नहीं हुई है। बीएलए इससे पहले भी पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा बलों पर किए गए हमलों में बड़ी संख्या में जवानों के मारे जाने का दावा करता रहा है।

बलोचिस्तान में लगातार बढ़ रही हिंसा

बलोचिस्तान में अलगाववादी संगठन बीएलए लंबे समय से पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा बलों के खिलाफ सशस्त्र अभियान चला रहा है। अगस्त 2026 में भी बीएलए ने 9 से 15 अगस्त के बीच आठ दिनों में 22 समन्वित हमले करने का दावा किया था।

जमीन से आसमान तक कड़ा पहरा परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा

ब्रिक्स समिट : भारत आ रहे विदेशी राष्ट्राध्यक्ष पांच स्तरीय तकनीकी 'सुरक्षा कवच' में रहेंगे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत इस वर्ष 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता और मेजबानी करेगा। 11 से 13 सितंबर तक आयोजित होने वाले शिखर समिट का मुख्य आयोजन भारत मंडपम में होगा, जहां कई द्विपक्षीय बैठकें भी आयोजित की जाएंगी। राजधानी में होने जा रहे ब्रिक्स समिट के दौरान सुरक्षा इतनी टाइट रहेगी कि परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा। इसके लिए दिल्ली पुलिस समेत सभी सुरक्षा एजेंसियां मुस्तैद हैं। समिट में हिस्सा लेने भारत आ रहे विदेशी राष्ट्राध्यक्ष पांच स्तरीय तकनीकी 'सुरक्षा कवच' में रहेंगे। दिल्ली पुलिस द्वारा ब्रिक्स समिट से पहले काफिले की रिहर्सल की गई। दिल्ली में आयोजित होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर राजधानी की सुरक्षा को अभेद्य बनाया जा रहा है। इसके लिए सुरक्षा एजेंसियों ने सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं।

ब्रिक्स समिट के लिए दिल्ली में बनेगा 5 स्तरीय अभेद्य तकनीकी सुरक्षा घेरा

ऐसी रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

- **थ्रीडी हवाई सुरक्षा** : भारत मंडपम और पूरे लुटियंस जोन में एंटी-ड्रोन सिस्टम, रडार और इलेक्ट्रॉनिक जैमर्स तैनात रहेंगे। ये कई किलोमीटर दूर से अनधिकृत ड्रोन की पहचान कर उसके सिग्नल को निष्क्रिय कर सकेंगे।
- **वीआईपी काफिले की जीपीएस ट्रैकिंग** : विदेशी मेहमानों और राष्ट्राध्यक्षों के काफिले के सुरक्षा वाहनों में रीयल-टाइम जीपीएस लगाया गया है। कंट्रोल रूम से वाहनों की लोकेशन, रफ्तार और रूट पर नजर रखी जाएगी।
- **सीबीआरएन सुरक्षा कवच** : रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु खतरों से निपटने के लिए एनडीआरएफ और सेना की विशेष टीमें हैजमैट वाहनों व अत्याधुनिक उपकरणों के साथ तैनात रहेंगी।
- **एआई से 24 घंटे निगरानी** : एयरपोर्ट, होटल, आयोजन स्थल और पूरे रूट पर हजारों हाई-डेफिनिशन कैमरे लगाए गए हैं। एआई कैमरे संदिग्ध गतिविधि, भीड़ और लावारिस वस्तुओं की पहचान कर तुरंत अलर्ट देंगे।
- **बायोमीट्रिक-फेशियल रिकग्निशन** : आयोजन स्थल के सभी प्रवेश द्वारों पर चेहरा पहचानने और बायोमीट्रिक सिस्टम लगाए गए हैं। केवल पहले से सत्यापित अधिकारियों, स्टाफ और अधिकृत लोगों को ही प्रवेश मिलेगा।

यूएन चीफ भी ले सकते हैं ब्रिक्स समिट में हिस्सा

इस वर्ष ब्रिक्स का विषय 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स के सदस्य और साझेदार देशों के नेताओं के साथ-साथ आमंत्रित देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस भी ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने के भारत आ सकते हैं।

हाईकोर्ट ने लगाया केंद्र सरकार पर 10 हजार रुपए का जुर्माना

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की कमेटी की रिपोर्ट लगातार लंबित रहने पर नाराजगी

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के गांवों से गुजर रही हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों से खेतों में विद्युत प्रभाव और ग्रामीणों की सुरक्षा से जुड़े मामले में छत्तीसगढ़

बिलासपुर हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने केंद्र सरकार को अंतिम अवसर दिया है। कोर्ट ने केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की कमेटी की रिपोर्ट लगातार लंबित रहने पर केंद्र सरकार पर 10 हजार रुपए का जुर्माना ठोंका है। कोर्ट ने साफ कहा है, अब रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कोई और समय नहीं दिया जाएगा। जनहित याचिका की अगली सुनवाई के लिए कोर्ट ने 8 अक्टूबर 2026 की तिथि भी तय कर दी है। इसी दिन कमेटी की रिपोर्ट रिकॉर्ड पर उपलब्ध रहना अनिवार्य किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बिलासपुर-रतनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास के करीब आठ से 10 गांवों में खेतों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइनों से ग्रामीणों को हो रही परेशानियों का उल्लेख था। रिपोर्ट के अनुसार इन गांवों में बड़ी संख्या में बिजली के टावर लगे हैं और इनके बीच से 400 से 800 केवी तक की बिजली लाइन गुजरती है। ग्रामीणों ने आसपास के क्षेत्र में विद्युत प्रभाव महसूस होने और खेतों में काम करने में परेशानी की शिकायत की थी। खबर में यह भी बताया गया था कि कुछ ग्रामीण सुरक्षा के लिए गमबूट पहनकर खेतों में जाने को मजबूर हैं और बड़ी मात्रा में कृषि भूमि प्रभावित होने का दावा किया गया।

आठ गांवों में लाइनों की जांच का आदेश

हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 15 जुलाई 2024 को केंद्र सरकार के मुख्य विद्युत निरीक्षक, संबंधित प्राधिकरण को प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि संबंधित कंपनियां यह सुनिश्चित करें कि ट्रांसमिशन लाइनों के नीचे स्थित कृषि भूमि के मालिकों को किसी प्रकार की असुविधा या कठिनाई न हो। तकनीकी रूप से यह जांच करने को कहा गया था कि बिजली की लाइनों से किसी प्रकार का पिलफरेज या इंडक्शन प्रभाव तो नहीं हो रहा है। यदि कोई समस्या मिलती है तो उसके समाधान के लिए आवश्यक उपाय बताने कहा था। निरीक्षण, संबंधित बिजली कंपनियों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में किया जाना था। पावर ग्रिड और जबलपुर ट्रांसमिशन कंपनी की लाइनें मामले में पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और जबलपुर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड को पक्षकार बनाया गया। कोर्ट के समक्ष केंद्रीय प्राधिकरण की रिपोर्ट में बताया गया कि बिलासपुर जिले के अमटारा, कछार, लोफंदी, मोहतराई, लछनपुर, नवागांव, मदनपुर और भरारी गांवों से हाईटेंशन लाइनें गुजर रही हैं।

सेवा सेतु पोर्टल ने पकड़ी रफ्तार, लोग घर-बैठे करने लगे ऑनलाइन आवेदन

अब सरकारी विभागों में चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे, आमजनों को मिल रही राहत

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के सेवा सेतु पोर्टल अब धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ने लगा है। शासन अंतर्गत संचालित कई विभाग अब इस पोर्टल से लिंक हो गए हैं, जिससे अब लोग भी विभागीय दफ्तरों के चक्कर नहीं काटकर घर-बैठे या सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करके शासकीय सेवाओं और योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। रायपुर जिले की बात करें तो अब तक इस पोर्टल के जरिए साढ़े तीन लाख से ज्यादा आवेदन किए गए हैं, जिनमें तीन लाख से अधिक आवेदनों को अनुमोदित भी किया है। हालांकि सैकड़ों आवेदन वापस तथा हजारों निरस्त भी हुए हैं। बताया जा रहा है कि निरस्त होने वाले ज्यादातर आवेदनों के साथ अपलोड किए गए दस्तावेजों में कमी या त्रुटि के कारण उन्हें निरस्त किया गया है। इसके अलावा कई आवेदन, जिनमें कमी या त्रुटि पाई गई है, उनके संशोधित आवेदन समयसीमा पर नहीं किए जाने के कारण भी निरस्त हुए हैं।

सही आवेदन तत्काल स्वीकृत

सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आने वाले आवेदनों तथा संबंधित दस्तावेजों की जांच-पड़ताल के बाद सही आवेदन तत्काल स्वीकृत किए जा रहे हैं, वहीं जिन आवेदनों या दस्तावेजों में कोई कमी या त्रुटि पाई जा रही है। उन आवेदकों को मोबाइल पर मैसेज के माध्यम से सुधार कर आवेदन को संशोधित कराने कहा जा रहा है।

आवेदन संशोधित कराने 15 दिनों का समय

पोर्टल के जरिए किए जाने वाले आवेदनों में किसी प्रकार के दस्तावेजों की कमी या त्रुटि होने पर संबंधित आवेदक को उसके मोबाइल पर मैसेज भेजा जा रहा है। इस मैसेज के जरिए आवेदनों में त्रुटि को सुधारने एवं दस्तावेजों की कमी को पूरा कर आवेदन को संशोधित कराने कहा जा रहा है। इसके लिए आवेदकों को 15 दिनों का समय भी दिया जा रहा है। हालांकि समयसीमा में आवेदन को संशोधित नहीं कराने वाले आवेदकों के आवेदन निरस्त किए जा रहे हैं।

पहले चॉइस सेंटर, ई-डिस्ट्रिक्ट, अब अपडेट सेवाओं के साथ सेवा सेतु पोर्टल

सेवा सेतु केंद्र कोई नया नहीं है, लेकिन पहले की तुलना में पोर्टल काफी अपडेट होने के साथ इसमें कई विभागों को जोड़ा गया है। सेवा सेतु सबसे पहले चॉइस सेंटर और उसके बाद ई-डिस्ट्रिक्ट के नाम से जाना जा रहा था। अपडेट किए जाने के बाद अब इसे सेवा सेतु नाम दिया गया है। इसमें विभिन्न सरकारी विभाग जुड़े हैं, जिसमें राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, आर्थिक एवं सांख्यिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, गृह, समाज कल्याण, मछलीपालन सहित अन्य कई विभाग शामिल हैं। इन विभागों से संबंधित जैसे आय, मूल, ओबीसी प्रमाण पत्र से लेकर जन्म-मृत्यु, प्रमाणपत्र, भूमि उपयोग, विवाह प्रमाण पत्र, संपत्ति नामांतरण, राशनकार्ड सहित व्यापार के लिए लाइसेंस एवं अनुमति लेने संबंधित आवेदन भी इसी पोर्टल से किए जा रहे हैं।

वीबी-जीरामजी : आवेदन के 15 दिन बाद भी नहीं मिला काम तो 16वें दिन से लागू होगा बेरोजगारी भत्ता

राज्य शासन ने बनाए नए नियम, 30 दिनों में मांगे आपत्ति-सुझाव

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

वीबी-जीरामजी (पूर्व में मनरेगा) के तहत रोजगार मांगने वाले को अगर आवेदन के 15 दिनों बाद भी काम नहीं मिला तो वह व्यक्ति बेरोजगारी भत्ते का हकदार होगा, लेकिन साथ में ये ही शर्त भी जोड़ी गई है कि अगर किसी परिवार एक सदस्य को भी काम मिला तो उसके परिवार का कोई सदस्य बेरोजगार नहीं माना जाएगा। छत्तीसगढ़ सरकार ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जीरामजी के तहत मजदूरी और बेरोजगारी भत्ते के भुगतान के लिए मसौदा नियम जारी कर दिए हैं। इस संबंध में 30 दिन के अंदर आपत्ति या सुझाव मांगे हैं।

मजदूरी का भुगतान कैसे होगा

केंद्र सरकार मजदूरी की दर तय करेगी। पुरुष और महिलाओं को बराबर मजदूरी मिलेगी। दैनिक मजदूरी साप्ताहिक आधार पर या काम करने की तारीख से अधिकतम 15 दिन के अंदर दी जानी चाहिए। सभी भुगतान सीधे लाभार्थी के बैंक या डाकघर खाते में डीबीटी के जरिए होंगे। नकद भुगतान की अनुमति नहीं है, सिवाय असाधारण परिस्थितियों के। आधार पेमेंट ब्रिज सिस्टम या अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए प्रक्रिया होगी। योजना के एमआईएस में सारे रिकॉर्ड रखे जाएंगे।

बेरोजगारी भत्ता कब और कितना

अगर आवेदन मिलने या मांगी गई तारीख से 15 दिन के

अंदर रोजगार नहीं मिला तो 16वें दिन से रोजगार मिलने तक दैनिक बेरोजगारी भत्ता मिलेगा। वित्तीय वर्ष के पहले 30 दिनों के लिए अधिसूचित मजदूरी का एक-चौथाई, उसके बाद लगातार अवधि के लिए आधी दर। एक परिवार एक साल में मजदूरी और बेरोजगारी भत्ता मिलाकर अधिकतम 125 दिनों की मजदूरी के बराबर ही कमा सकता है। इससे ज्यादा नहीं। आवेदन ग्राम पंचायत या कार्यक्रम अधिकारी के पास 30 दिन के अंदर देना होगा। रोजगार मांगने की रसीद और काम पर आने का सबूत लगाना जरूरी है। कार्यक्रम अधिकारी 10 दिन के अंदर फैसला करेंगे।

कब नहीं मिलेगा बेरोजगारी भत्ता

प्राकृतिक आपदा या असाधारण परिस्थितियों में राज्य सरकार द्वारा घोषित अवधि में काम पर आने की सूचना के 15 दिन के अंदर उपस्थित न होने पर, बिना अनुमति एक हफ्ते से

परिवार के किसी एक सदस्य को भी काम मिला तो बाकी को नहीं माना जाएगा बेरोजगार

ज्यादा लगातार अनुपस्थित रहने पर (तीन महीने तक भत्ता बंद) परिवार के किसी सदस्य को पहले से योजना में काम मिल रहा हो। परिवार ने पहले ही 125 दिन का रोजगार या उसके बराबर राशि हासिल कर ली हो कृषि के चरम मौसम के लिए अधिसूचित कुल 60 दिनों की अवधि में भी भत्ता नहीं दिया जाएगा।

विलंब पर मुआवजा और जवाबदेही

मस्टररोल बंद होने के 15 दिन के अंदर मजदूरी नहीं मिली तो 16वें दिन से हर दिन की देरी पर बकाया मजदूरी का 0.05 प्रतिशत मुआवजा मिलेगा (या केंद्र द्वारा तय दर)। कंप्यूटर सिस्टम खुद गणना करेगा। जनपद स्तर पर हर महीने 5 और 20 तारीख को रिपोर्ट बनेगी। दोषी अधिकारियों या एजेंसियों से वेतन या भुगतान में से वसूली की जाएगी। सुनवाई का मौका देने के बाद कलेक्टर 15 दिन में आदेश देंगे।

अपील और निगरानी इस तरह होगी

बेरोजगारी भत्ते के फैसले के खिलाफ 15 दिन में कलेक्टर या उनके अधिकृत अधिकारी के पास अपील की जा सकती है। दूसरी अपील संभागीय आयुक्त के पास। अपील का निपटारा 30 दिन में होना चाहिए। जिला स्तर पर तिमाही बैठकें होंगी। हर महीने आवेदनों की स्थिति राज्य सरकार को भेजी जाएगी। कोई भी व्यक्ति 30 दिन के अंदर अवर सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कक्ष एडी 0-7, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटलनगर में इन प्रावधानों पर आपत्ति या सुझाव भेज सकता है।

कपड़ा मंत्री गिरिराज से मिले छत्तीसगढ़ के सीएम साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल उद्योग के विस्तार और इससे रोजगार के अवसर बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई।

छत्तीसगढ़िया वस्त्र उद्योग को बढ़ाने हुआ विमर्श

मुख्यमंत्री ने राज्य में कोसा सहित हथकरघा और पारंपरिक वस्त्रों की समृद्ध विरासत का उल्लेख करते हुए इनके उत्पादन और बाजार को बढ़ाने के विषय पर केंद्रीय मंत्री से चर्चा की। साथ ही छोटे और स्थानीय उद्योगों को टेक्सटाइल क्षेत्र से जोड़ने, निवेश को बढ़ावा देने और कारीगरों व युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तैयार करने से

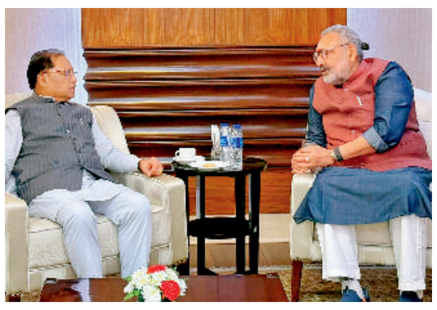

जुड़े विषय भी चर्चा में रहे। मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश और उद्योगों के विस्तार की संभावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय के विषय पर भी चर्चा हुई।

मुख्य सचिव की बैठक में प्रशासकीय विभागों में स्वीकृत, भरे और खाली पदों की विभागवार समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील ने गुरुवार को मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन के सभी विभागों के भारसाधक सचिवों की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न प्रशासकीय विभागों में स्वीकृत, भरे और रिक्त पदों की वर्तमान स्थिति की विस्तृत विभागवार समीक्षा की गई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल (व्यापमं) द्वारा आयोजित की जा रही भर्ती परीक्षाओं और भेजे गए इंडेंट (मांग पत्र) की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही विभागों में रिक्त पदों की पूर्ति हेतु वित्त विभाग से मिली सहमति, पूर्व में विज्ञापित पदों की स्थिति तथा अब तक की गई नियुक्तियों का ब्योरा तलब किया गया। बैठक में वर्ष 2027 के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अधिसूचित किए जाने वाले संभावित पदों और सभी विभागों में अद्यतन (अपडेटेड) भर्ती नियमों की स्थिति पर भी गहनता से चर्चा हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य शासकीय विभागों में भर्ती प्रक्रियाओं को गति देना, नियमों को अद्यतन करना और आने वाले वर्षों के लिए नियोजन की स्पष्ट रूपरेखा तैयार करना था। इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में विभिन्न प्रमुख विभागों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और छत्तीसगढ़ चयन मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ सदर बाजार में कांग्रेस का अभियान

रायपुर। स्मार्ट मीटर के खिलाफ शहर जिला कांग्रेस कमेटी का जनजागरण अभियान गुरुवार को सदरबाजार वार्ड में चलाया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तात्यापारा से अभियान की शुरुआत कर कमासीपारा, नयापारा, चूड़ी लाइन सहित वार्ड के विभिन्न इलाकों में घर-घर जाकर आमजनों से संपर्क किया। इस दौरान स्मार्ट मीटर के विरोध में 500 से अधिक आवेदन पत्र वितरित किए गए। अभियान के दौरान उपभोक्ताओं से मिले आवेदन और शिकायतों को एकत्र कर सरकार तथा विद्युत विभाग तक पहुंचाया जाएगा। कांग्रेस ने सरकार से स्मार्ट मीटर व्यवस्था की समीक्षा करने और बढ़े हुए बिजली बिलों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने घर-घर पहुंचकर उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल में कथित बढ़ोतरी को लेकर उनकी समस्याएं जानीं और आवेदन फार्म भरवाए।

कार्यालय नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

शाखा-संपदा साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)
दूरभाष : 07759-221288. फैक्स : 07759-221929. पो. बाक्स नं 12 पिन फोड 495677
Website: www.korbamunicipal.in, Email: corporationkorba@gmail.com

फा.क्र./संपदा/फ्री-होल्ड/2026/9027 कोरबा, दिनांक 31.08 .26

आवासीय/व्यावसायिक लीज होल्ड भूखण्ड से फ्री-होल्ड करने हेतु आम सूचना

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों के द्वारा नगर पालिक निगम कोरबा की योजनाओं के आवासीय /व्यावसायिक भवन/भूखण्ड के लीज को फ्री-होल्ड करने हेतु आवेदन किया गया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था/निकाय को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय प्रमाण सहित इस आम सूचना प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर नगर पालिक निगम कोरबा कार्यालय, साकेत भवन में उपस्थित होकर अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं:-

स.क्र.	नाम	एरिया का नाम	भवन क्रमाक	भूखण्ड कमांक
1	श्री राधेश्याम चौहान	कोसाबाड़ी		216
2	श्री राजेंद्र कुमार अग्रवाल	कोसाबाड़ी		774
3	श्रीमती किरण कोहली	कोसाबाड़ी		1018
4	श्रीमती रिंकी देबनाथ	डॉ. राजेंद्र प्रसाद नगर	LIG-204	
5	श्री सच्चिदानंद पाठक	डॉ. राजेंद्र प्रसाद नगर	LIG-108	
6	श्रीमती जसविंदर कौर	शिवाजी नगर	LIG-25	
7	श्रीमती दीप्ति साहू एवं श्री एल.पी. साहू	महाराणा प्रताप नगर	HIG-43	
8	श्री युगल किशोर सोनी	महाराणा प्रताप नगर विस्तार	MIG-I/25	
9	श्री महेन्द्र सिंह एवं श्रीमती सुदेश सिंह	शारदा विहार	MIG-1B/40	
10	श्री राजेंद्र कुमार अग्रवाल	इंदिरा व्यावसायिक एवं आवासीय		250
11	श्रीमती मीना पींचा जैन	इंदिरा व्यावसायिक एवं आवासीय		361
12	श्री दादूरैया सिंह एवं श्रीमती उषा ठाकुर	पश्चिमी कोरबा		26
13	श्री राजेश कुमार दास एवं श्री जयप्रकाश	पश्चिमी कोरबा		34
14	श्री महादेव लाल सोनी	पश्चिमी कोरबा		119
15	श्री राधेश्याम जायसवाल	पश्चिमी कोरबा		124
16	श्रीमती सरस्वती कौशल	पश्चिमी कोरबा		197

नोट:- निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त आवेदन/आपत्ति पर कोई विचार नहीं होगा।

संपदा अधिकारी,
नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)

राशिफल

मेष — शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। आय वृद्धि के साधन विकसित होंगे।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन — अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। खानपान के प्रति सचेत रहें। मन में निराशा एवं असंतोष के भाव रहेंगे।

सिंह — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कन्या — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। व्यर्थ के विवादों से बचने का प्रयास करें।

तुला — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक — घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

धनु — पिता का साथ रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर — परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन सम्भव है। लंबे समय से रुके हुए काम बनने की उम्मीद है।

कुंभ — परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वाहन के रख-रखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। शिक्षा में सुधार होगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

मीन — वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में अशांति रहेगी।

निजी विवि को दो टूक- कम से कम एक हजार हो छात्र संख्या, शुरू ना करें अनावश्यक पाठ्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों को शिक्षा एवं शोध की गुणवत्ता सुधारने निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही उन्हें कहा गया है कि वे विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने प्रयास करें। प्रत्येक विश्वविद्यालय में कम से कम 1000 विद्यार्थियों की संख्या सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करने को कहा। उन्हें ये दिशा-निर्देश गुरुवार को एक बैठक में राज्यपाल ने दिए।

यह समीक्षा बैठक केवल निजी विवि के कुलपतियों के लिए रखी गई थी। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा, विद्यार्थियों का कल्याण विश्वविद्यालयों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कोई भी नया पाठ्यक्रम प्रारंभ करने से पहले विश्वविद्यालयों को संबंधित क्षेत्र में सर्वेक्षण कर आवश्यकता और विद्यार्थियों की रुचि का आकलन करने कहा गया। जिन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संख्या नहीं है, उन्हें बंद करने पर विचार करने। अनावश्यक रूप से पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ाने के बजाय रोजगार एवं भविष्य की संभावनाओं वाले विषयों को प्राथमिकता देने पर भी बैठक में जोर दिया गया। विश्वविद्यालयों को नैक में बेहतर ग्रेडिंग प्राप्त करने के लिए आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों और शिक्षकों का अनुपात संतुलित होना चाहिए तथा विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। पीएचडी उपाधि प्रदान करने की प्रक्रिया पूरी तरह गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी होनी चाहिए। पीएचडी के लिए होने वाले पंजीयनों की विशेषज्ञों के माध्यम से रैंडम चेकिंग कराई जाएगी, ताकि शोध कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को केवल उपाधि प्रदान करने तक सीमित न रहकर ऐसे शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए।

शब्द पहेली - 6338

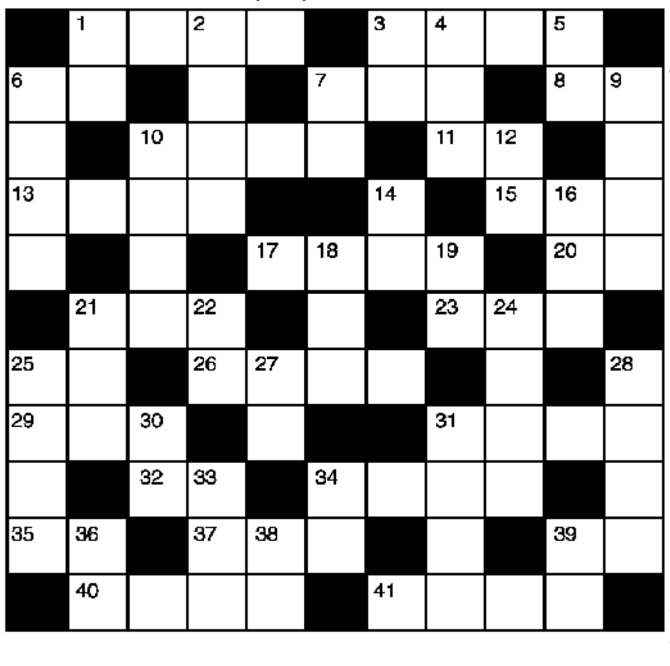

बाएँ से दाएँ
1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.वीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे
1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली- 6337 का हल

आ	ना	द	र	णी	य		प्र	क्षे	प	क
सं	ग		ये		कृ	पा	ण		र	म
वै		अ	दा	य	त		य	हां		जो
धा	य	दा	र			अ		का	त	र
नि		य		प्र	क्षा	ल	न		म	
क	म	त	र	ता		सा	ग	र	गा	मी
	लि		स	र	मा	या		द		न
बे	का	बू		णा			व	न	वा	सी
क		आ	स		अ	द	र	क		लै
द	म		ब	हा	र		दा		ता	व
र	सा	त	ल		ज	ही	न	कु	श	ल

सूडोकु नवताल - 6348

★★★✫☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6347 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

पाकिस्तान को हराकर लीग चरण का विजयी अंत करने पर भारत की नजर

महिला एशिया कप : चिर प्रतिद्वंद्वी से आज भिड़ेगी टीम इंडिया

एजेंसी ▶▶| दुबई

महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी भारतीय टीम की नजरें अब शनिवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ लीग चरण का शानदार अंत करने पर हैं। पुरुष हों या महिला, बहु-टीम टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मुकाबलों को लेकर मैदान के बाहर काफी रोमांच रहता है लेकिन पिछले काफी समय से मैदान पर मुकाबले उतने प्रतिस्पर्धी नहीं रहे हैं। दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में भारत का पलड़ा काफी मजबूत दिख रहा है।

भारत के लिए यह मैच केवल औपचारिकता नहीं होगा। विश्व कप में पिछले कुछ मौकों पर समय से पहले बाहर होने के बाद भारतीय टीम को टी20 प्रारुप में कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए भारत को बेहतर पावर-हिटर और तेज गेंदबाजों का मजबूत पूल तैयार करना होगा।

एशियाई स्तर पर भारत के आसपास कोई टीम नहीं

एशियाई स्तर पर हालांकि भारत के आसपास भी कोई टीम नजर नहीं आती। पिछली बार भारत किसी तरह श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में उपविजेता रहा था। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने अपने शुरुआती मुकाबले में थाईलैंड को हराया है और अब भी सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा भी शानदार फॉर्म में हैं। मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ यादगार शतक लगाते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और प्रतियोगिता की अन्य टीमों को अपनी बल्लेबाजी क्षमता का संकेत दे दिया।

दुबई की पिचों पर बल्लेबाजी आसान नहीं

दुबई की पिचों पर बल्लेबाजी आसान नहीं रही है। बल्लेबाजों को आमतौर पर पिच की गति और उछाल को समझने में करीब 10 गेंद लगती हैं और उसी के अनुसार पारी की योजना बनानी पड़ती है। मध्यक्रम में प्रतिका रावल, ऋचा घोष और कप्तान हरमनप्रीत कौर की भूमिका अहम होगी। तीनों अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में तब्दील नहीं कर सकी हैं। खासकर नंबर तीन पर बल्लेबाजी कर रहीं रावल पर दबाव बढ़ रहा है। वनडे में सफल रही रावल टी20 प्रारुप की मांगों के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं।

पाकिस्तान को बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत

पाकिस्तान को भारत को चुनौती देने के लिए अपनी बल्लेबाजी में बड़े सुधार की जरूरत है। बल्लेबाजी की कमजोरी लंबे समय से टीम की परेशानी रही है। थाईलैंड के खिलाफ पिछले मैच में भी पाकिस्तान ने पावरप्ले में तीन विकेट गंवाकर खुद को मुश्किल में डाल लिया था, हालांकि बाद में उसने 119 रन के मामूली लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव कर लिया। टीम अब भी सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली और कप्तान एवं गेंदबाजी ऑलराउंडर फातिमा सना पर काफी निर्भर है। भारत जैसी मजबूत टीम को चुनौती देने के लिए पाकिस्तान को इस निर्भरता से बाहर निकलना होगा।

मैच का समय रात 8 बजे

यूएस ओपन : तीसरे राउंड में एलेना और कोको

नंबर वन रैंक के और करीब पहुंचीं रायबाकिना और गॉफ

अब यूलिया से भिड़ेगी एलेना

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना और अमेरिका की कोको गॉफ ने यूएस ओपन के महिला एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। रायबाकिना ने जेसिका बौजास मानेरो को, जबकि गॉफ ने पाउला बडोसा को हराकर तीसरे राउंड में प्रवेश किया। जीत के साथ ही रायबाकिना और गॉफ नंबर 1 रैंक के और करीब पहुंच गई हैं।

रायबाकिना ने मानेरो को सीधे सेटों में हराया

रायबाकिना ने जेसिका बौजास मानेरो को सीधे सेटों में हराते हुए तीसरे राउंड में जगह बनाई। दूसरे सेट में 5-3 पर मैच सर्व करने में नाकाम रहने और टूर्नामेंट का उनका पहला सर्विस गेम गंवाने के बावजूद रायबाकिना ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में अपने चौथे ब्रेक के साथ वापसी करते हुए जीत हासिल की। पिछले यूएस ओपन में चौथे राउंड तक पहुंची रायबाकिना का इस बार तीसरा राउंड में यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुबत्सेवा से मुकाबला होगा। दोनों की मुलाकात फ्रेंच ओपन के दूसरे राउंड में हुई थी, जिसे स्टारोडुबत्सेवा ने जीता था।

कोको ने बडोसा को दी मात

कोको गॉफ भी तीसरे राउंड में पहुंचने के साथ दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनने के करीब आ गई हैं। उन्हें इसके लिए कम से कम सेमीफाइनल तक पहुंचना होगा। गॉफ ने दूसरे राउंड के लिए हुए मुकाबले में स्पेन की पाउला बडोसा को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के तीसरे राउंड में जगह बनाई। गॉफ ने बडोसा को दो घंटे से भी कम समय में 6-4, 7-6 (7/5) से हराकर एक और स्पेनिश खिलाड़ी क्रिस्टीना बुक्सा से मुकाबला किया। 22 साल की अमेरिकी स्टार, जो अपनी 2023 यूएस ओपन जीत को दोहराने की कोशिश कर रही हैं, बडोसा के साथ अपने पिछले आठ मुकाबलों में से पांच हार चुकी थीं। लेकिन, गॉफ ने आर्थर ऐश स्टेडियम के शाम के सेशन में आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन किया और शानदार तरीके से मैच जीता।

यह एक अच्छा मुकाबला था : गॉफ

गॉफ ने जीत के बाद कहा, मैं शायद किसी ऐसे खिलाड़ी के साथ नहीं खेलना चाहूंगी, जिससे मैं दूसरे राउंड में कई बार हारी हूं। लेकिन मुझे लगता है कि आज का मुकाबला मेरे कॉन्फिडेंस को बढ़ाने वाला था। मुझे लगता है कि सीधे सेटों में जीतना भी बहुत बड़ा फर्क डालता है। मेरा टेस्ट हुआ था। मुझे लगता है कि यह एक अच्छा मुकाबला था, जिसमें मैं तीन घंटे तक कोर्ट पर नहीं थी।

कोकीन जांच में किर्गियोस पॉजिटिव स्वीकारा सस्पेंड

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस ने जून में स्पेन में एक टूर्नामेंट के दौरान कोकीन के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) द्वारा लगाए गए एक महीने के निलंबन को स्वीकार कर लिया है। किर्गियोस को 4 अगस्त से अस्थायी रूप से निलंबित किया गया था, जिसकी जानकारी लगभग दो सप्ताह के बाद सार्वजनिक हुई थी। आईटीआईए के अनुसार, 31 वर्षीय किर्गियोस ने जांचकर्ताओं को बताया कि उन्होंने मलोर्का में होने वाले मुकाबले से पहले कोकीन का सेवन किया था। उन्होंने विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के विशेषज्ञ से सलाह लेने के बाद स्वीकार किया कि यह सेवन प्रतियोगिता से बाहर की अवधि में हुआ था। वाडा के नियमों के तहत इस मामले में सामान्यतः तीन महीने का प्रतिबंध लगाया जाता है, लेकिन उपचार कार्यक्रम पूरा करने पर इसे घटाकर एक महीने किया जा सकता है। मलोर्का टूर्नामेंट से किर्गियोस की पुरस्कार राशि और रैंकिंग अंक वापस ले लिए गए हैं। टूर्नामेंट में उन्हें अपने हमवतन एडम वॉल्टन के खिलाफ एकमात्र मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। विंबलडन 2022 के फाइनल में पहुंचने वाले किर्गियोस को खिताबी मुकाबले में नोवाक जोकोविच से हार मिली थी।

क्रिकेट

इंडिया खेलेगी जापान के खिलाफ ऐतिहासिक टी20 मुकाबला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत-जापान राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम 22 सितंबर को जापान के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। भारत 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में भी हिस्सा लेगा।

जापान के खिलाफ होने वाला यह टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला एशियाई खेलों से पहले भारतीय टीम को महत्वपूर्ण मैच अभ्यास देगा। बीसीसीआई ने कहा, 'जापान क्रिकेट संघ और बीसीसीआई को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि दोनों देशों की पुरुष टीम भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के समारोह की शुरुआत के लिए एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेंगी।' दोनों टीमें तोचिगी प्रीफेक्चर के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट मैदान में सुजुकी कप के लिए मुकाबला करेंगी।

कार्यालय, नगर पंचायत किरोड़ीमलनगर, रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

क्र. 449 / लो.नि.वि./न.प. / 2026 किरोड़ीमलनगर दिनांक 03/09/2026

:: ई-प्रोक्योरमेंट तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना ::

नगर पंचायत किरोड़ीमलनगर में प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना एवं उन्नयन कार्य हेतु लोक निर्माण विभागो में पंजीकृत ''डी'' श्रेणी व उससे उपर के क्लास के ठेकेदार हो, उनसे निविदा प्रपत्र ''अ'' एवं PWD Building SOR 01.01.2015, PWD Road SOR 01.01,2025, Electrical/PHE SOR 01.06.2020 And Non SOR में निम्नानुसार ऑनलाईन (Online) ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	198839	प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना एवं उन्नयन कार्य।	47 .03 लाख	15/09/2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबपोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, एवं निकाय के स्थापना शाखा/लोक निर्माण में कार्यालयीन दिवस में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत किरोड़ीमलनगर,

जापान में कंटेनर में रहेंगे भारतीय एथलीट

19 सितंबर से शुरू हो रहे एशियाई खेलों में नहीं होगा पारंपरिक खेल गांव

एजेंसी ▶▶| पटियाला

छह फीट से कुछ ही अधिक लंबे बिस्तर, पास-पास सिमटी दीवारें और जरूरत भर का सामान रखने की जगह। आमतौर पर ऐसी जगह किसी को असहज कर सकती है लेकिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए यह महज एक छोटा-सा कमरा नहीं, बल्कि एशियाई खेलों से पहले की खास तैयारी है। पटियाला स्थित नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस) में इन दिनों कुछ खिलाड़ी कंटेनर के भीतर रात गुजार रहे हैं। इसका मकसद उन्हें उस तरह के आवास का अभ्यस्त बनाना है, जिसका सामना उन्हें जापान में होने वाले एशियाई खेलों के दौरान करना होगा। इस बार 19 सितंबर से शुरू हो रहे आइची-नागोया एशियाई खेलों में पारंपरिक खेल गांव नहीं होगा। खिलाड़ियों के ठहरने का इंतजाम कंटेनरों, क्रूज और अन्य वैकल्पिक व्यवस्थाओं में किया जा रहा है। ऐसे में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने पटियाला और बेंगलुरु स्थित अपने केंद्रों में अस्थायी कंटेनर कमरे तैयार किए हैं, ताकि खिलाड़ी पहले ही इस अनोखी व्यवस्था का अनुभव ले सकें।

मानसिक दबाव महसूस न हो

कुमार ने कहा, 'इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ियों को नए तरह के आवास में रहने पर घुटन या असहजता महसूस न हो। वे इस बात से हैरान न हों कि उन्हें किस तरह के आवास में ठहराया गया है। उन्हें किसी तरह का झटका या मानसिक दबाव महसूस न हो और वे बिना किसी तनाव के खेलों में हिस्सा ले सकें।' बड़े कमरों और अपने खेल उपकरणों के लिए पर्याप्त जगह के आदी खिलाड़ियों के लिए यह सिमटा हुआ स्थान शुरुआत में थोड़ा अजीब जरूर लग सकता है।

खिलाड़ियों को कराया जा अभ्यस्त

साइ के उप महानिदेशक विनीत कुमार ने कहा, 'दो वर्ष पहले जब यह तय हुआ कि एशियाई खेलों के दौरान खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था पारंपरिक खेल गांव की तर्ज पर नहीं, बल्कि कंटेनर, क्रूज आदि जैसे अनूठे विकल्पों में की जाएगी, तभी खेल मंत्री की सोच थी कि खिलाड़ियों को भी पहले से इसी तरह के माहौल का अभ्यस्त कराया जाना चाहिए। इसके लिए एक तरह के सिमुलेटर जैसी व्यवस्था तैयार करने की योजना बनाई गई थी।'

स्मृति ने मिताली को छोड़ा पीछे कहा- सोचा नहीं था ऐसा कर पाऊंगी

एजेंसी ▶▶| दुबई

मिताली राज को पीछे छोड़ महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बनने के बाद स्मृति मंधाना ने कहा कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि वह भारतीय क्रिकेट की इस दिग्गज बल्लेबाज को पीछे छोड़ पाएंगी।

मंधाना ने अपने करियर का बड़ा हिस्सा मिताली राज की कप्तानी में खेला है। मिताली उनके लिए बचपन से ही आदर्श रही हैं। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम गुरुवार को भारतीय उपकप्तान ने मिताली के 10,868 अंतरराष्ट्रीय रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मंधाना के नाम अब तीनों प्रारुपों में कुल 10,880 रन हो गए हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

(1) निविदा सूचना संख्या ई-आर-टी-89-26-27, दिनांक: 27.08.2026. **कार्य:** तिल्दा में गुड्स शेड के शंटिंग नेक के व्हार्फ का सुधार रिलिज्ड पी.एस.सी. स्लीपर के द्वारा, मौजूदा मरचेंट और लेबर रूम के शौचालय और बाथरूम का नवीनीकरण और गुड्स शेड के क्षतिग्रस्त प्लेटफार्म की पैच का मरम्मत करना। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,03,34,868/-. ईएमडी: ₹ 2,06,700/-.

निविदा जमा करना: 24.09.2026 के **11.00** बजे तक। **निविदा खुलना: 24.09.2026 को 11.00** बजे।

विस्तृत विवरण/निविदा दस्तावेज की खरीद, पात्रता मानदंड एवं उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण हेतु कृपया वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें अथवा हमारे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध निविदा दस्तावेजों का अवलोकन/डाउनलोड करें।

वरिष्ठ मंडल अभियंता(I)/
PR/R/ENGG/PCN/195 **रायपुर**

South East Central Railway @secrail

homefirst We'll take you home

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703, Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

धारा 13 (2) के तहत मांग सूचना

आप, निम्नलिखित ऋणधारक, ने अनुसूची में उल्लिखित संपत्ति को गिरवी रखकर ऋण लिया है और आप ही ने ऋण समझौते के लिए ऋणधारक/सह-ऋणधारक/जमानतदार के रूप में कार्य किया है। आपके द्वारा किए गए चूक के परिणामस्वरूप, प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों का पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (संक्षेप में सरफेसी अधिनियम) के प्रावधानों के तहत **03-09-2026** को आपके ऋण खाते को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हम, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड, ने सरफेसी अधिनियम की धारा 13(2) के साथ धारा 13(13) के तहत आपके द्वारा दिए गए पते पर मांग नोटिस जारी किया है। उक्त नोटिस **03-09-2026** को जारी किए गए हैं और इनमें कहा गया है कि आपने आपको स्वीकृत विभिन्न ऋणों के भुगतान में चूक की है। अतः, वर्तमान प्रकाशन एसएआरएफएईएसआई अधिनियम की धारा 13 (2) के प्रावधान के अनुसार और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के प्रावधान के अनुसार नोटिस देने के लिए किया गया है:

क्र. सं.	खाताधारक का नाम और पता, ऋणधारक(ओं) और जमानतदार(ओं)	लागू की जाने वाली सुरक्षा का विवरण	मांग नोटिस की तिथि तक कुल बकाया राशि, ब्याज और अन्य व्यय सहित (रुपये में)
1.	हेमन्त कुमार साहू, जागेश्वरी साहू, प्रियांशु साहू	प्लॉट-ख.नं.-250/13, ब्लॉक/बिल्डिंग नंबर-प.ह.नं. 41, ब्लॉक/बिल्डिंग का नाम-मौजा सैदा, हेमंत कुमार साहू, ख.नं. 250/13, प.ह.नं. 41 रा.नि.मं. सकरी मौजा सैदा, तहसील सकरी और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ -495001 चौहद्दी: पूर्व-सुरेश निर्मलकर की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-20 फीट निस्तारी रोड, दक्षिण- बिमला बाई राजपूत की भूमि।	771,391
2.	जय कुमार साहू, शकुंतला देवी साहू	प्लॉट-ख.नं. 457/1[भाग], ब्लॉक/बिल्डिंग नंबर-प.ह.नं. 3, ब्लॉक/बिल्डिंग का नाम-मौजा चतरखार,- जय पी+सी, मौजा चतरखार, मुंगेली, छत्तीसगढ़-495001, चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-विक्रेता का प्लॉट, उत्तर-रास्ता, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	1,306,617
3.	कार्तिक गुप्ता, आकांक्षा गुप्ता	प्लॉट-ख.नं.319/10, ब्लॉक/बिल्डिंग नंबर-मौजा सिरगिट्टी, ब्लॉक/भवन का नाम-प.ह.नं. 23/41,-, कार्तिक-पी+सी, मौजा सिरगिट्टी ख.नं. 319/10 प.ह.नं. 23/41 तहसील बिलासपुर जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, चौहद्दी: पूर्व-विश्वकर्मा की भूमि, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-अन्य की भूमि, दक्षिण- अन्य की भूमि।	395,114
4.	मनीष विश्वहार, नंदरानी विश्वहार	प्लॉट-102/7 [भाग], ब्लॉक/बिल्डिंग नंबर -प.ह.नं.37, ब्लॉक/भवन का नाम-मौजा छतौना, मनीष पी+सी, मौजा छतौना, प.ह.नं. 37, रा.नि.मं.-सकरी, तहसील सकरी, जिला - बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, चौहद्दी: पूर्व-नहर, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	1,718,431
5.	नीलकंठ बर्वे, पंकज कुमार बर्वे, सुशीला बाई बर्वे, सुखदेव बर्वे	फ्लैट-प.ह.नं. 41, ब्लॉक/बिल्डिंग नंबर-ख.नं. 41/10, नीलकंठ-पी+सी, मौजा सैदा ख.नं. 41/10 प.ह.नं. 41 तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग., बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-विक्रेता का प्लॉट, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	1,244,395
6.	नितेश कुमार यादव, कृष्णा यादव, पार्वती बाई यादव	प्लॉट-ख.नं. 102/7, ब्लॉक/बिल्डिंग नं.-प.ह.नं.37, नितेश-पी+सी, ख.नं. 102/7, मौजा छतौना, पिन नं. 495222, प.ह.नं.37, रा.नि.मं. अमसेना, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-रोड, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	992,095
7.	राहुल आसवानी, पायल आसवानी	मकान-217/1 भाग, ब्लॉक/बिल्डिंग नं.-प.ह.नं. 19, ब्लॉक/भवन का नाम-मौजा उमरिया,-, पायल पी+सी, खसरा नंबर 217/1 का भाग, कुल क्षेत्रफल-0.0550 हेक्टेयर पटवारी हलका नंबर 19, ग्राम उमरिया म.नं.-2, राजस्व निरीक्षक बिल्हा, तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, चौहद्दी: पूर्व-यशवंत मिश्र की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-निस्तारी रास्ता, दक्षिण-रामजीवन की भूमि।	889,696
8.	सनत कुमार यादव, शैल बाई यादव	प्लॉट-ख.नं. 126/54, ब्लॉक/बिल्डिंग नं.- प.ह.नं. 30, ब्लॉक/भवन का नाम-मौजा पत्थरखान,-, सनत-पी+सी, ख. नं.126/84, मौजा पत्थरखान, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं. बिल्हा, विकासखंड व तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	1,248,887
9.	सुरेश केंवट, चंदा केंवट,	प्लॉट-126/7/के/5, ब्लॉक/बिल्डिंग नंबर-प.ह.नं. 30, ब्लॉक/बिल्डिंग का नाम-मौजा पत्थरखान,- सुरेश-पी+सी,ख. नं. 126/7/के/5, मौजा-पत्थरखान, प.ह.नं.30, रा.नि.मं. बिल्हा, तह. बिल्हा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-निस्तारी सड़क, उत्तर-निस्तारी सड़क, दक्षिण-विक्रेता की भूमि।	1,033,760
10.	उमेश कुमार दिनानी, घनश्याम दास दिनानी, पाखी दिनानी	मकान-प्लॉट नं.603, ब्लॉक/बिल्डिंग नं.-ख.नं.71/7, घनश्याम डी_एलएपी, ख.नं. 71/7, मौजा चकरभाठा (कैम्प), बोदरी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, चौहद्दी: पूर्व-किशनचंद का मकान, पश्चिम-सड़क, उत्तर-कन्हैया का मकान, दक्षिण-मुरली का मकान।	1,031,986

आपको इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को ब्याज और लागत सहित उपर्युक्त राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, अन्यथा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड उक्त अधिनियम के प्रावधानों के तहत ऋणधारकों, बंधककर्ताओं और जमानतदारों की सभी या किसी एक या अधिक सुरक्षित संपत्तियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करेगी, जिसमें उनकी सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा करना भी शामिल है। उक्त अधिनियम के तहत होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को प्राप्त शक्तियों में शामिल हैं: (1) ऋणधारकों/जमानतदारों की सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा करने की शक्ति, जिसमें सुरक्षित संपत्तियों को मुक्त करने के लिए पट्टे, आवंटन या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण का अधिकार शामिल है; (2) सुरक्षित संपत्तियों का प्रबंधन अपने हाथ में लेना, जिसमें पट्टे, आवंटन या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण का अधिकार शामिल है, और सुरक्षित संपत्तियों को वसूल करना; और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड द्वारा सुरक्षित संपत्तियों का कोई भी हस्तांतरण, हस्तांतरित सुरक्षित संपत्तियों के सभी अधिकारों और संबंधों में उसी प्रकार निहित होगा जैसे कि हस्तांतरण आपके द्वारा किया गया हो।

उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के प्रावधानों के अनुसार, आपको होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड की पूर्व सहमति के बिना, ऊपर उल्लिखित और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के पास गिरवी रखी गई किसी भी सुरक्षित संपत्ति को बिक्री, पट्टे या अन्य किसी भी तरीके से (आपके व्यवसाय के सामान्य संचालन के अलावा) हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

स्थान: बिलासपुर
दिनांक: 05-09-2026

हस्ताक्षरकर्ता: अधिकृत अधिकारी,
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

प्रथम पृष्ठ का शेष

हरिभूमि-आईएनएच ...

की कुलपति लवली शर्मा, सीएमएचओ डा. आशीष शर्मा, व्यापार जगत से नरेन्द्र बोथरा, समाजसेवी भागवत शरण सिंह तथा शिक्षा विद पीसी लाल यादव भी अपने विचार रखेगें। जिला संवाद में कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल और एसपी लक्ष्य विनोद शर्मा भी उपस्थित रहेगें।

कंकड़-पत्थर बने गणित...

पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के महत्व की जानकारी दी जाती है। बच्चे मिट्टी और बीज की मदद से सीड बॉल तैयार करते हैं और उन्हें उपयुक्त स्थानों पर डालकर पौधों के संरक्षण और संवर्धन से जुड़ते हैं। इससे उनमें प्रकृति के प्रति प्रेम के साथ जिम्मेदारी की भावना भी विकसित हो रही है। इसी नवाचार ने ओमकुमारी पटेल को पहचान दिलाई है। अब उन्हें राज्यपाल के हाथों सम्मानित किया जाएगा। यह उपलब्धि उनके साथ स्कूल और सेमरा गांव के लिए भी गौरव का विषय है।

सुकमा की शिक्षिकाओं को ...

अपनी कार्यशैली का हिस्सा बनाया। वहीं सुकमा जिले के कुड़मेलपारा की शिक्षिका एवं प्रधानपाठक श्रीमती परिणीता कश्यप को शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए चुना गया है। साविता उसेंडी का मानना है कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है। शिक्षक का कार्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि बच्चों की क्षमता को पहचानकर उसे निखारना भी है। इसी सोच के साथ उन्होंने विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ कला, खेल, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया।

शिक्षा के लिए 19 साल से ...

पहाड़ी पर एक गांव बसा है जिसका नाम जीवलामारी है, यहां 17 परिवार निवास करते है,कुछ दशक पहले यहां लोग अपने जीवन यापन के लिए आकर बसे थे, जिनका परिवार आज भी यहां रह रहा है,इस गांव तक पहुंचने 3 किलोमीटर पैदल पहाड़ी रास्ते से होकर जाना पड़ता है। 1995 में यहां के मासूम बच्चों के लिए प्राथमिक स्कूल का संचालन शुरू हुआ था , 2007 में यहां प्राथमिक स्कूल के लिए भवन बना और इसी साल यहां अरविंद कुरेटी बतौर शिक्षक पदस्थ हुए, उस दौर में नक्सलवाद भी अपने चरम पर था और जीवलामारी नक्सलियों के सबसे खतरनाक माने जाने वाली कुएमारी एरिया कमेटी का इलाका था, इसके खतरनाक स्थान पर पोस्टिंग मिलने के बाद भी अरविंद कुरेटी के चेहरे पर मुस्कान थी, उनका मानना था कि आसानी से पहुंच वाले इलाके में ही सब पोस्टिंग चाहेंगे तो फिर इस दुर्गम इलाकों के बच्चों का भविष्य आखिर कैसे संवर पाएगा। अरविंद स्कूल में ज्वानिंग दी और फिर शुरू हुआ उनका रोजाना 3 किलोमीटर पैदल पहाड़ी रास्ते से चलकर स्कूल पहुंचने और फिर 3 किलोमीटर पैदल वापस आने का रोजाना 6 किलोमीटर का पैदल सफर जो आज 19 साल बाद भी जारी है। अरविंद रोज स्कूल पहुंचते है और मासूम बच्चों को पढ़ाते है बारिश, गर्मी, ठंड हर मौसम में अरविंद इसी रास्ते से होकर स्कूल पहुंचते है। जीवलामारी प्राथमिक स्कूल में वर्तमान में कुल 8 बच्चे पदस्थ है जिन्हें शिक्षा देने अरविंद रोज 6 किलोमीटर पैदल सफर करते है, अरविंद बताते है कि उनका लक्ष्य दुर्गम इलाकों के बच्चों का भविष्य बेहतर बनाना है, उनका कहना है कि वो बचपन से गांव में रहे है उनकी परवरिश खेत खलियान में घूमते फिरते हुई है, उन्हें रोजाना 6 किलोमीटर पैदल सफर करने में कोई तकलीफ नहीं है, बस वो चाहते है कि बच्चों का भविष्य बेहतर हो।

छात्रा की राहुल से अपील...

कि निशु अपने समुदाय और छात्रों के अधिकारों के लिए आवाज उठाती हैं, इसलिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह पर आरोपी को बचाने का आरोप लगाया और पूछा कि आरोपी के खिलाफ अब कार्रवाई होगी या नहीं।

सीएम साय का शिक्षक...

रहा है। हो सकता है आपका थोड़ा-सा विश्वास उसके पूरे जीवन की दिशा बदल दे। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक का विश्वास किसी बच्चे के लिए जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा बन सकता है। इसलिए शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि बच्चे के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, संस्कार और उसकी क्षमताओं को विकसित करना भी है।

अपर कलेक्टर ने बैठक में नान के गोदाम प्रभारियों को लगाई फटकार

जिम्मेदार कौन? 13000 कार्डधारकों को चावल नहीं मिला, 15000 से ज्यादा की शक्कर लैप्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले में हर महीने उचित मूल्य की दुकानों में पर समय पर चावल और शक्कर का भंडारण नहीं किए जाने से सैकड़ों-हजारों कार्डधारकों के चावल और शक्कर दोनों लैप्स हो जा रहे हैं। विभागीय सूत्र से मिले आंकड़ों के अनुसार, गत अगस्त माह में 13 हजार से अधिक कार्डधारकों को चावल नहीं मिला है, वहीं 15 हजार से अधिक धारकों को शक्कर बांटी नहीं गई। हालांकि इस मामले में खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों का कहना है कि छूटे हुए कार्डधारकों में ज्यादातर ऐसे हैं, जो खाद्यान्न लेने दुकानों में पहुंचे ही नहीं। इधर दूसरी ओर उचित मूल्य की दुकानों में धीमे भंडारण पर अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर ने नागरिक आपूर्ति निगम रायपुर (नान) के अधिकारी से लेकर गोदाम प्रभारियों को जमकर फटकार लगाई है। उन्होंने सख्त निर्देश दिए है कि भंडारण समय पर कराया जाए। इसमें लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की जाएगी।

चालू माह में उचित मूल्य की दुकानों से एक साथ दो महीने का चावल वितरित किया जाना है, लेकिन अगस्त माह में जिस धीमी गति से चावल और शक्कर का भंडारण किया गया, उसे लेकर प्रशासन ने चिंता व्यक्ति की है। इसे देखते हुए अपर कलेक्टर ने खाद्य नियंत्रक को निर्देशित कर उचित मूल्य दुकानों के संचालकों की दो दिन पहले रेडक्रॉस भवन में बैठक बुलाई थी। इस बैठक में खाद्य विभाग के अधिकारी, निरीक्षकों के अलावा नागरिक आपूर्ति निगम रायपुर के अधिकारी एवं गोदाम प्रभारियों को भी बुलाया गया था। बैठक में नागरिक आपूर्ति निगम की जिला अधिकारी को छोड़कर अन्य सभी शामिल हुए थे। बैठक में अपर कलेक्टर ने सभी दुकानों में खाद्यान्न भंडारण की समीक्षा की। इस दौरान कई दुकान संचालकों ने भंडारण को लेकर गहरी नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया कि मांग करने और डीओ कटने के बाद भी भंडारण समय पर नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण खाद्यान्न वितरण करने में परेशानी होती है तथा हितग्राहियों को भी खाद्यान्न लिए बिना लौटना पड़ता है।

गोदामों में वाहन उपलब्ध नहीं होने का बनाते हैं बहाना

बैठक में कुछ दुकान संचालकों ने यह भी कहा कि गोदाम प्रभारी भंडारण कराने में देरी का कारण यही बताते हैं कि ट्रांसपोर्ट कंपनियों द्वारा अनुबंध के तहत गाड़ियां उपलब्ध नहीं करा रहे हैं। गाड़ियां कम होने की वजह से ही चावल, शक्कर, नमक के भंडारण में देरी होती है। दुकानदारों ने यह भी आरोप लगाया कि जिन दुकानों में ऑनलाइन स्टॉक है, उन्हीं दुकानों में पहले भंडारण कराया जाता है, जबकि जिन दुकानों में स्टॉक शून्य होता है, वहां भंडारण कराने में एक हफ्ता या उससे अधिक दिन लगाए जा रहे हैं।

समय पर भंडारण नहीं कराने से खाद्यान्न लैप्स

भंडारण कराने में कई बार इतनी लापरवाही बरती जाती है कि कई दुकानों में महीना खत्म होने के एक-दो दिन पहले खाद्यान्न भेजा जाता है। इसके कारण इन दुकानों में पंजीकृत धारकों में भी कई खाद्यान्न ले नहीं पाते हैं। बैक माह का ऑप्शन बंद होने के कारण इन धारकों का खाद्यान्न लैप्स हो जाता है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771-4060929, मो. 7389485756

निगम के सभी जोन के हेल्थ अफसर बदल गए

रायपुर । नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत और प्रभावी बनाने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने नगर निगम के सभी 10 जोन में पदस्थ स्वास्थ्य अधिकारियों और स्वच्छता निरीक्षकों की नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। ये आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। आदेश के अनुसार वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक खेमलाल देवांगन को प्रभारी जोन स्वास्थ्य अधिकारी 1 से स्थानांतरित कर जोन 5 की जिम्मेदारी दी गई है।

गणेश पंडाल में बैनर-पोस्टर फाड़ने के विवाद पर दो पक्ष भिड़े जमकर चले लाठी-रॉड-सब्बल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गणेश पंडाल लगाने वालों की पुलिस जब शांति समिति की बैठक ले रही थी, इसी दौरान कोतवाली थाना क्षेत्र के पेंशनबाड़ा चौक में बैनर-पोस्टर फाड़ने के विवाद पर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। कुछ युवक एक-दूसरे पर लाठी, रॉड, सब्बल से वार करने लगे। मारपीट की घटना में दोनों पक्ष के युवकों को चोटें आई हैं। घटना बुधवार शाम साढ़े चार बजे की है। घटना के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के पांच आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पेंशनबाड़ा निवासी पीयूष यादव ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि घटना दिनांक को शाम करीब 4.30 बजे वह पेंशनबाड़ा चौक के पास खड़ा था। इसी दौरान हितेश तांडी और कार्तिक महानंद गणेश उत्सव के लिए फ्लैक्स-बैनर लगा रहे थे। इसी दौरान बैनर फाड़ने की बात को लेकर हितेश तथा उसका साथी पीयूष और उसके दोस्त के साथ विवाद करने लगा। पीयूष का आरोप है कि उसने बैनर फाड़ने से मना किया तो विवाद बढ़ गया। इसके बाद देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज मारपीट में तब्दील हो गई। आरोप है कि इस दौरान हाथ-मुक्के के साथ डंडे, रॉड, सब्बल और पत्थर से हमला किया गया।

HMS साईटिका तेल
शिव साईटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मुरारका एजेन्सी काली मन्दिर के सामने तेलीपारा बिलासपुर 9425540768 (41780)

आवश्यकता है- अस्तित्व प्रकाशन, कोनी, बिलासपुर को ग्राफिक डिजाइनर एवं वीडियो एडिटर की आवश्यकता है। उम्मीदवार को बुक कवर डिजाइनिंग एवं वीडियो एडिटिंग का अनुभव हो तथा Photoshop, After Effects और Premiere Pro में अच्छी पकड़ एवं विशेषज्ञता हो। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- अस्तित्व प्रकाशन, कोनी, बिलासपुर 7898160321, 8109883496 (41779)

आवश्यकता है- होटल में कार्य हेतु ऑलराउंडर कुक किचन सुपरवाइजर, रिसेप्शनिस्ट, हाउस कीपिंग स्टॉफ सुपरवाइजर, बेल ब्वॉय/गर्ल्स चाहिए। सम्पर्क करें- होटल रॉयलरामा, पुराना बस स्टैण्ड टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9327334481, 9826807980 (41770)

आवश्यकता है- बिलासपुर की एक प्रमुख रियल एस्टेट और कॉलोनाइजेशन कम्पनी को एक अनुभवी मैनेजर की आवश्यकता है। उम्मीदवार के पास उत्कृष्ट ग्राहक प्रबंधन (कस्टमर हैंडलिंग) होनी चाहिए। रियल एस्टेट क्षेत्र में पूर्व अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। सम्पर्क करें- 7400820093 (41754)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में काम करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सरस्वती मेडिकल एजेन्सी 52, अजीत होटल के पीछे, मेडिकल कॉम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9827177377 (41776)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में ड्राइवर की आवश्यकता (जो ऑटोमैटिक डिजायर और वैगनर चला सके कार्य समय सुबह 9.15 से रात 8.30) पता- जैन मेडिकल नियर सिम्स हॉस्पीटल मेडिकल कॉलेज गोंडपारा बिलासपुर (41778)

आवश्यकता है- ऑफिस में साफ सफाई कार्य करने हेतु लड़के की आवश्यकता है। अधिकतम उम्र 25वर्ष सम्पर्क करें- A-214 श्री नारायण प्लाजा श्रीकांत वर्मा मार्ग चौक लिंक रोड बिलासपुर 93006 60864, 9174408884 (41777)

आवश्यकता है- सिक्यूरिटी एजेन्सी में कार्य करने हेतु लड़के की आश्यकता है वेतन- 11000 से शुरु, कृपया पूछताछ ना करें अनुभवी व्यक्ति ही सम्पर्क करें- 9981630084, 9425530940 (41775)

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्क से (पुरूष/महिला), ITI फिटर, ITI इलेक्ट्रिशियन, सिक्यूरिटी गार्ड चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध. पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 8357065592 8462933820

आवश्यकता है- खेती बाड़ी का कार्य करने के लिए फैमिली वाले व्यक्ति की आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सकें दोनों मिलाकर तनख्वा- 14000 प्रति महीना सम्पर्क करें- 9754293974 (41774)

आवश्यकता है- जयराम नगर मस्तूरी में विवान फ्यूल पेट्रोल पम्प पर काम करने के लिए लड़के, लड़कियों और अनुभवी व्यक्ति अतिशीघ्र आवश्यकता है तत्काल सम्पर्क करें- 8085741414 (41768)

आवश्यकता है- टूव्हीलर गाड़ियो की रिपेयरिंग हेतु अनुभवी कारीगर एवं ऑटोपार्ट्स की दुकान में कार्य हेतु लड़के चाहिए। सम्पर्क करें- जयभोले ऑटोपार्ट्स सृष्टि चिल्ड्रन हॉस्पिटल के सामने जरहभाठा मन्दिर चौक बिलासपुर 9981752583 (41769)

आवश्यकता है- (1) सिविल साइट सुपरवाइजर (अनुभवी साइट चलाने योग्य) (2) ऑफिस मैनेजर, साइड वर्क, रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्सन नामांतरण, नगर निगम संबंधी कार्य करने हेतु अनुभवी चाहिए सम्पर्क- 9770770000, 98270 72000 (41763)

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के , आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000 + कमीशन + बोनस के साथ 20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया + कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क, 96309 22589, 9893029618 (501)

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 8818877406, 96444 33021, 07752-337082 (41704)

आवश्यकता है- सीए आफिस में कामर्स ग्रेजुएट अनुभवी/ ट्रेनी (टैली/GST) एवं चपरासी (सुबह 9 से रात 9बजे, दसवीं पास, वेतन 6000) सम्पर्क- सीए दिनेश अग्रवाल, मेन रोड, विद्या नगर, बिलासपुर 7440969033, 9300501028 (41762)

आवश्यकता है- घरेलू ऑटोमैटिक कार चलाने के लिए एक अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। ऑटोमैटिक कार चलाना आता हो। वेतन योग्यता अनुसार। आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस सहित सम्पर्क करें- 7869919759 (41764)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने, पैकिंग, डिलिवरी हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार। मिलें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (41765)

आवश्यकता है-फोर व्हीलर वर्कशॉप हेतु लड़के/ लड़कियों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन, प्यून चाहिए। वेतन योग्यतानुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें-श्रीबालाजी सेल्स एण्ड सर्विसेज इंदु चौक के पास मगरपारा रोड बिलासपुर (41738)

आवश्यकता है- एक कम्प्यूटर एजुकेशन सेन्टर की मार्केटिंग के लिए 2 स्मार्ट लड़कों की आवश्यकता है। स्वयं की बाइक, मोबाइल अनिवार्य। MBA वालों को प्राथमिकता। बायोडाटा इस नम्बर पर भेजे 9244082366, 6265062829 (41752)

आवश्यकता है- पुस्तक दुकान में पैकिंग और डिस्पेच कार्य हेतु 12वीं पास 3 लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार संपर्क अग्रवाल बुक डिपो बिहारी टाकीज के सामने पुराना हाईकोर्ट रोड बिलासपुर 9711088843 (41772)

आवश्यकता है- पैरामेडिकल, नर्सिंग स्टाफ मेल और फीमेल एवं पीआरओ की आवश्यकता है। सम्पर्क- अंकुर ट्रामा केयर एण्ड नर्सिंग होम, सी-5 मिनोचा कॉलोनी उसलापुर रोड बिलासपुर 9827162325, 7400730011 (41751)

आवश्यकता है- टीवीएस इलेक्ट्रीकल थ्रीव्हीलर शोरूम में कार्य करने हेतु सेल्स मैनेजर, सेल्स एग्जीक्यूटिव स्मार्ट युवक, युवतियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मालवा टीवीएस ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा 8103515508 (41760)

आवश्यकता है- JIO कम्पनी में भर्ती Activity Boy/ Girl चाहिए स्मार्ट फोन, गाड़ी अनिवार्य वेतन 10000 से 15000 काम के अनुसार Jio से संबंधित Activity, Field Work करना। सम्पर्क करें- 9329915299, 6261913213 (41761)

आवश्यकता है- एस. एस. पब्लिक स्कूल बैमा में अंग्रेजी माध्यम से कक्षा 6वीं से 10वीं तक अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान पढ़ाने हेतु Teachers चाहिए वेतन योग्यता अनुसार इंग्लिश स्पीकिंग अनिवार्य सम्पर्क करें- 9340797701 (41759)

आवश्यकता है- होटल में वेटर (सप्लायर), किचन हेल्पर, कैप्टन, युवक, युवतियों की आवश्यकता है अनुभवी/ फ्रेशर दोनो को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9340229293, 79877 66988 (41766)

आवश्यकता है- घर पर रहकर गाय की सेवा जतन, चारा, पानी, साफ, सफाई, दूध दुहाई हेतु राउत या लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गोड़पारा, बिलासपुर 9669211111, 9827175811 (41724)

आवश्यकता है- आनंद होमकेयर में लड़के लड़कियों महिलाओं की आवश्यकता है मरीजों बुजुर्गो बेबीकेयर हेतु ट्रेनिंग+रहना खाना फ्री (5वीं से 12वीं) वेतन 12000 से 15000 संपर्क मो. 9752841977, 9752391977 (843)

आवश्यकता है- 100% परमानेंट जॉब भारत में सबसे अधिक स्थायी रोजगार देने वाली Righteous Limited को आफिस कार्य एवं विभिन्न पदों हेतु 8/10/12वीं स्नातक लड़के/लड़कियों का चयनकर 11000, 13000, 17000, 25000/- आवास बोनस मिलें- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी के पास चौपाटी चोपड़ापारा अम्बिकापुर 9669370111, 9584000909, 8435803535, 70670 84579 (20651)

आवश्यकता है- चायपत्ती के फैक्ट्री में पैकिंग कार्य लेडिस व लड़कों की आवश्यकता है संपर्क करें जैन ट्रैडर्स नियर SBI ATM के सामने गली आकृति विहार अमलीडीह 0771-4075490, 79879 27854, 9753674707 (842)

आवश्यकता है- दोसा दुकान में कार्य करने के लिए अनुभवी अथवा फ्रेशर लड़के, लड़कियों सप्लायर एवं दोसा मिस्त्री की आवश्यकता है सम्पर्क करें- साउथ इंडियन दोसा 36 मॉल के सामने बिलासपुर 93005 18958 (41756)

आवश्यकता है-UTN शॉप में सर्वे कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सैलरी 10000 से 15000 सम्पर्क करें- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 (41748)

बेचना है

बेचना है- बिलासपुर सकरी थाना के सामने मेन रोड से 30मी. दूर डायवर्टेड आवासीय प्लॉट टुकड़ों में उपलब्ध। सीसी रोड, नाली, पानी, बिजली सुविधा सहित प्लॉट 75.5×54= 4077 वर्गफुट। सम्पर्क करें- 7898855268 (41750)

बेचना है- अलका एवेन्यू कॉलोनी उसलापुर रेलवे स्टेशन के पास बिलासपुर में 34X55 =1870 पूर्व मुखी प्राइम लोकेशन में 2 प्लाट अतिशीघ्र बेचना है संपर्क करे 8839864986, 9319825198 (41773)

किराया

किराया- किराये से देना है गोड़पारा रोड सदर बाजार में स्टेट बैंक एटीएम के बाजू में 8×20 फिट की दुकान किराये से देना है सम्पर्क करें- 88002 97892 (41758)

फाइनेंस

फाइनेन्स-प्रगति फाइनेंस द्वारा कृषि, बिजनेस, पर्सनल, लघु उद्योग, आधार कार्ड, समूह लोन, होम लोन पर कम समय आसान किस्त 2% ब्याज 40% छूट 50000 से 40लाख समस्त लोन करायें- 7606809537, 75877 08423 (4349)

ज्योतिष

ज्योतिष- निः शुल्क छत्तीसगढ़िया ज्योतिष विचार देखइया बईगा अवइया 3 महिना अड़चन रहि ग्रह नक्षत्र, अऊ बाहरि के काली माई के शक्ति ले आर्थिक मानसिक शारीरिक सब्बो चिंता दुर होही 1 बेर जरूर मिलव मो. 84618 86239 (844)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
➡जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
➡जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
➡शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
➡ एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
➡श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
➡रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
➡जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
➡रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
➡भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
➡श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
➡एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
➡श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
➡अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
➡विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
➡माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
➡बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
➡ हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

दही की हांडी, बारिश की फुहार, माखन चुराने आया नन्द लाल।
ईनाम राशि
15,00,000
TO KHAMTARAI
PARADISE HOTEL
TO GONDWARA
DURGA MANDIR
WRS COLONY FOUR WHEELER PARKING
TO WRS COLONY
WRS COLONY FOUR WHEELER PARKING
NO FOUR WHEELER ZONE
DAHI HANDI UTSAV 2026
SHRI AWADHPURI MAIDAAN
TO FAFADIH
TWO-WHEELER PARKING
FOUR WHEELER PARKING
BANK OF BARODA
MARUTI MANGALAM BHAWAN
FOUR WHEELER PARKING
ENTRY
MACHHI TALAB
GUDHIYARI PADAW FOUR WHEELER PARKING
TO BHARAT MATA CHOWK
TO RAILWAY STATION
ATAL PATH EXPRESSWAY
DAHI HANDI UTSAV 2026 PARKING LAYOUT
विशाल दहीहांडी उत्सव
दिनांक : 05 सितंबर 2026
दिन : शनिवार, समय : शाम 04:00 बजे से
स्थान : दही हांडी उत्सव स्थल, अवधपुरी मैदान, श्रीनगर रोड, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग.)
विशेष आकर्षण :
पुरूष दही हांडी ◆ महिला दही हांडी ◆ ग्रीसयुक्त खंबा दही हांडी
प्रसिद्ध गायक, संगीतकार बी प्राक
अंतर्राष्ट्रीय भजन गायक लखविंदर सिंह लक्खा
भजन गायिका गरिमा दिवाकर व स्वर्ण दिवाकर
सभी सनातनियों एवं कृष्ण भक्तों के बीच वृहद आयोजन संपन्न होगा।
चंदन अग्रवाल
पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष-राइस मिल एसोसिएशन छत्तीसगढ़
युवा समाजसेवी एवं भाजपा कार्यकर्ता
संयोजक
बसंत अग्रवाल
युवा समाजसेवी एवं भाजपा कार्यकर्ता
आयोजक :
सार्वजनिक दही-हांडी उत्सव समिति, रायपुर
सह संयोजक - हेमेन्द्र साहू
विशेष सहयोग : हनुमान मंदिर ट्रस्ट गुढ़ियारी, रायपुर

जनम मरन सब दुख सुख भोगा । हानि लाभ प्रिय मिलन बियोगा ।।
काल करम बस होहिं गोसाईं । बरबस राति दिवस की नाईं ।।
(श्री रामचरित मानस)

।। प्रार्थना सभा ।।

हमारे परिवार की पूजनीय

स्व. श्रीमती उगमदेवी पगारिया

(धर्म सहायिका स्व. श्री मांगीलालजी पगारिया)

सोमवार, दिनांक 24.8.2026 को अपनी सांसारिक यात्रा
पूर्ण कर प्रभु के चरणों में जा विराजी हैं ।

बारहवां - शनिवार, दि. 5.9.2026, प्रातः 11:00 बजे,
बी. ब्लॉक, जैनम् मानस भवन, एयरपोर्ट के सामने, रायपुर

नेक दिल और नेक आपका हर इरादा था ।
सोच ऊंची और जीवन आपका सादा था ।।
इस दुनिया से चली गई आप, पर दिलों से नहीं जा पाओगी ।

शोकाकुल

सिद्धराज, गजराज, प्रियेश, श्रेयांश, विक्रमादित्य, प्रकाशचंद्र, अशोक कुमार
एवं समस्त पगारिया परिवार

फर्म

मेसर्स मांगीलाल पगारिया • मैट्स विश्वविद्यालय परिवार

ATUL

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com